दैनिक मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित

RNI. No. 69062/94

निष्पक्ष एवं निर्भीक विचारों का समाचार पत्र

प्रभात परिक्रमा

आवश्यकता है

दैनिक प्रभात परिक्रमा समाचार पत्र को प्रदेश के सभी जिलों एवं तहसील स्तर पर संवाददाता एवं एजेंटों की आवश्यकता है

: संपर्क :

9425023929

वर्षः 30 | अंकः 226 | भोपाल, रविवार 31 अगस्त 2025 | पृष्ठः 08 | मूल्यः 1 रुपए

न्यूज. ब्रीफ

तालिबान के विदेश मंत्री मुत्ताकी की भारत यात्रा के लिए

नई दिल्ली। भारत ने तालिबान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी की भारत यात्रा के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) से ट्रैवल बैन में छूट मांगी है। यह कदम भारत की विदेश नीति में एक बड़ा बदलाव दिखाता है। 2021 में तालिबान के काबुल पर कब्जा करने के बाद भारत ने उनसे सीधे संपर्क बनाने से परहेज किया था, लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। भारत ने अफगानिस्तान के लोगों की भलाई के लिए मानवीय सहायता जारी रखी है, साथ ही अब वह अंतरिम तालिबान सरकार के साथ भी बातचीत कर रहा है। यह यात्रा भारत के लिए एक महत्वपूर्ण राजनयिक पहल है और दक्षिण एशिया के भू-राजनीतिक परिदृश्य पर भारत की एक रणनीतिक चाल के रूप में देखा जा रहा है। यह यात्रा पाकिस्तान के लिए एक बड़ा झटका मानी जा रही है, क्योंकि तालिबान का विदेश मंत्री पहली बार भारत आ रहा है।

मां के दर्शन के लिए इंतजार में बैठे भक्त

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में लगातार बारिश के कारण हुए भूस्खलन के बाद वैष्णो देवी यात्रा लगातार पाँचवें दिन शनिवार को स्थगित रही। भारत के अन्य हिस्सों से आए कई भक्त अभी भी कटरा में रुक कर उम्मीद कर रहे हैं कि यात्रा जल्द ही फिर से शुरू होगी और वे दर्शन कर पाएँगे। एक भक्त ने बताया कि मुझे माता के दर्शन करने की उम्मीद थी, लेकिन मैं निराश हो रही हूँ। मुझे उम्मीद है कि वह मेरी प्रार्थना सुनेंगी और मैं दर्शन कर पाऊँगी। मैं 2 से 4 दिन और रुकूँगी। जब तक मैं दर्शन नहीं कर लेती, मैं जाने वाली नहीं है। मुझे बहुत उम्मीद है, मैं यहाँ पहली बार आई हूँ। एक अन्य श्रद्धालु ने बताया कि मैं हर साल यहाँ आता हूँ। माता में मेरी आस्था है। मैं दर्शन किए बिना नहीं जाऊँगा। इस बार थोड़ी पीड़ा जरूर हुई। मैं दर्शन किए बिना वापस नहीं आऊँगा... चाहे मुझे कितने भी दिन रुकना पड़े, मैं रुकूँगा। मैं प्रार्थना करता हूँ कि माता जी उन लोगों को अपने चरणों में स्थान दें जिन्होंने अपनी जान गँवाई और जो घायल हुए हैं उन्हें ठीक करें।

आंतकियों का समंदर चाचा उर्फ बागू खान मुठभेड़ में मारा गया

नई दिल्ली। सुरक्षा बलों ने शनिवार को जम्मू-कश्मीर के गुरेज सेक्टर में हुई मुठभेड़ के दौरान लंबे समय से वांटेड आतंकी बागू खान उर्फ समंदर चाचा को मार गिराया। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीआके) में 1995 से सक्रिय बागू खान को आतंकी गिरोहों में ह्यूमन जीपीएसह्व बताया जाता था। रक्षा विभाग के सूत्रों के अनुसार, बागू बीते तीन दशकों में 100 से अधिक घुसपैठ प्रयासों को अंजाम देने में शामिल रहा। गुरेज सेक्टर की दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों और गुप्त रास्तों की बागू को गहरी जानकारी के चलते, उसके नेतृत्व में अधिकांश घुसपैठ के प्रयास सफल रहे। इसकारण वह हर आतंकी संगठन के लिए खास महत्व रखता था। बागू मूल रूप से हिजबुल कमांडर था, लेकिन बागू ने लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद सहित सभी आतंकी संगठनों को गुरेज और आसपास के इलाकों से घुसपैठ करने में मदद की। बागू को नैशेरा से घुसपैठ की कोशिश के दौरान सुरक्षाबलों ने ढेर किया। मुठभेड़ में एक अन्य आतंकी भी मारा गया।

गुजरात में 62 लाख फर्जी मतदाता

प्रदेश कांग्रेस प्रमुख अमित चावड़ा का बड़ा दावा

अहमदाबाद । गुजरात प्रदेश कांग्रेस ने राज्य में मतदान में धांधली का गंभीर आरोप लगाते हुए एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। उन्होंने दावा किया है कि गुजरात की मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर छेड़छाड़ हुई है जिसमें लगभग 62 लाख फर्जी मतदाता शामिल हैं। सत्यापन के दौरान खासकर नवसारी लोकसभा और चोयार्सी विधानसभा क्षेत्रों में 30000 फर्जी मतदाता पकड़े गए। इस खुलासे के बाद कांग्रेस ने पूरे राज्य में मतदाता अधिकार अभियान शुरू करने की घोषणा की है। गुजरात कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अमित चावड़ा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्पष्ट किया कि किस तरह गुजरात में वोट चोरी हो रही है और गुजरात प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और नवसारी से भाजपा सांसद सीआर पाटिल के निर्वाचन क्षेत्र में कुछ फर्जी वोट डाले

गए हैं। उन्होंने कहा कि यदि 182 विधानसभा क्षेत्रों में इस पद्धति से मतदान कराया गया था लगभग 62 लाख वोट चोरी हुए। अमित चावड़ा ने कहा लोकतंत्र की नींव और देश का संविधान हमें वोट देने का अधिकार देता है। लोकतंत्र इस समय खतरे में दिख रहा है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने वोट चोरी का पदार्फाश किया है। गुजराती इस बात से चिंतित हैं कि कहीं असली मतदाताओं की संख्या से ज्यादा तो नहीं बढ़ गई है, नकली मतदाताओं की संख्या। लोकतंत्र एक व्यक्ति, एक वोट का अधिकार देता है।

कई देशों की करेंसी, 8 आधार कार्ड, 16 वोटर आईडी कार्ड, आंतकी फंडिग का कनेक्शन

मुख्य आरोपी आलोक को तलाश रही पुलिस

- साइबर कैफे चलाने वाले भूषण चौधरी और उसका बेटा गोलू पुलिस के निशाने पर

मोतिहारी। भारत-नेपाल सीमा से फिर चौंकाने वाला मामला सामने आया। यहां साइबर कैफे चलाने वाले भूषण चौधरी के ठिकाने पर छापेमारी के दौरान पुलिस को चौंकाने वाली जानकारी हाथ लगी। पुलिस ने मौके से कई देशों की करेंसी, पासबुक, विदेशी घड़ी, 8 आधार कार्ड, 8 ड्राइविंग लाइसेंस, 16 वोटर आईडी कार्ड, 6 श्रम कार्ड, 4 बैंक पासबुक, एक चेक बुक और 9 स्कैनर बरामद हुए है। इतना ही नहीं, कई अहम दस्तावेज भी पुलिस के हाथ लगे हैं जो मामले को और पेचीदा बना रहे है। मामला तब और गंभीर हुआ जब पता चला कि भूषण चौधरी का बेटा गोलू कुमार पहले ही यूपी पुलिस के हत्थे चढ़ चुका है। गोलू पर आरोप है कि वह आतंकी फंडिंग से जुड़ी गतिविधियों में शामिल था। यूपी पुलिस ने गिरफ्तार करने के बाद गोलू को अपने साथ ले जाकर पूछताछ शुरू कर दी है।

दो दिवसीय दौरे पर जम्मू आएंगे गृहमंत्री शाह

बाढ़ से हुए नुकसान का करेंगे आकलन

जम्मू। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बाढ़ से हुए नुकसान का आकलन करने के लिए रविवार से दो दिवसीय जम्मू का दौरा करेंगे। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि शाह हाल ही में आई बाढ़ से हुए नुकसान का आकलन करेंगे। वह रियासी जिले में वैष्णो देवी मंदिर के आधार शिविर कटरा और किश्तवाड़ का भी दौरा करेंगे। यह दौरा बाढ़ से हुए नुकसान का आकलन करने के उद्देश्य से होगा, जिसमें करीब 130 तीर्थयात्रियों समेत करीब 150 लोगों की मौत हो गई थी। केंद्रीय गृह मंत्री शाह रविवार शाम को जम्मू पहुंचेंगे और सोमवार शाम को केंद्र शासित प्रदेश की राजधानी लौटेंगे। इस यात्रा के दौरान उनके साथ गृह मंत्रालय के

अधिकारियों की टीम भी होगी। रविवार शाम को वह जम्मू क्षेत्र में बाढ़ से हुए नुकसान का आकलन करने के लिए राजभवन में एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करेंगे। सूत्रों के मुताबिक उपराज्यपाल मनोज सिन्हा बैठक में शामिल होंगे और गृह मंत्री को क्षेत्र में हुए नुकसान, राहत व बचाव कार्यों और बुनियादी ढांचे की बहाली के बारे में जानकारी देंगे। भारी बारिश, बादल फटने और भूस्खलन के कारण सड़कों, पुलों, घरों, दुकानों, फसलों समेत नागरिक संपत्तियों को भारी नुकसान हुआ है, रिहायशी इलाकों में पानी भर गया है और वैष्णो देवी मंदिर और मचैल माता यात्रा बाधित हुई है। गृह मंत्री शाह वैष्णो देवी मंदिर जाते समय अर्धकुंवारी में घायल हुए तीर्थयात्रियों से कटरा शहर के नारायण अस्पताल में मिलेंगे। इसके बाद वह किश्तवाड़ जिले के चशोती में बादल फटने और उसके बाद अचानक आई बाढ़ से हुए नुकसान का हवाई आकलन करेंगे। बता दें 14 अगस्त को बादल फटने में 65 लोगों की मौत हो गई थी और 100 से ज्यादा घायल हुए थे, जिनमें से ज्यादातर तीर्थयात्री थे। वह जम्मू जिले के कुछ स्थानों का भी दौरा करेंगे, जहां बाढ़ से भारी नुकसान हुआ।

भोपाल में आयोजित स्वदेशी से स्वावलंबन संगोष्ठी में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि

आज एक साथ दो सुखद संयोग हैं। आज राष्ट्रीय लघु उद्योग दिवस भी है। मेरी अपनी ओर से स्वदेशी से स्वावलंबन की इस कार्यशाला को भावनात्मक आधार पर और भी अधिक सार्थकता प्रदान करने के लिए प्रदेशवासियों को बधाई देता हूँ। वैश्विक स्तर पर आज हर देश यह समझ रहा है कि इस दौर में स्वदेशी की भावना ही सबसे आवश्यक है। सारे उलझे-सुलझे प्रश्नों का उत्तर केवल एक है झ स्वदेशी की भावना। परमात्मा की दया है कि हमारा कल्चर शुरू से ही स्वदेशी की भावना पर आधारित रहा है। जिसे जो आवश्यकता होती थी, वह सब गाँव में ही मिल जाता था। आज टेक्नोलॉजी बदली है, लेकिन तब भी भारतीय टेक्नोलॉजी धूम मचा रही है। हमसे ज्यादा पाकिस्तान से पूछना चाहिए कि हमारे स्वदेशी का क्या हाल है। हमारी नीतियाँ अपने आप बोलती हैं। हम कुछ नहीं कहते, लेकिन हमारे पास विकल्प है झ और यह विकल्प स्वदेशी है। आज जब हम दुनिया की तीसरी ताकत बनने की ओर बढ़ रहे हैं, तो इसमें देश के अंदर सबसे बड़ा योगदान हमारी जीवन-शैली का है। मैं यहाँ पर आप सभी का मध्यप्रदेश सरकार की ओर से अभिनंदन करता हूँ। आज का समय वास्तव में बहुत सार्थक है। आजादी के पहले से ही स्वदेशी की भावना के बल पर हमने अंग्रेजों से लड़ाई लड़ी। स्वदेशी की भावना में समय-समय पर अवरोध आते रहते हैं, लेकिन समय उन्हें अपने आप ठीक कर देता है। आजादी की लड़ाई में जब तक गणपति जी नहीं आए थे तब तक आनंद नहीं आया था। गणपति जी के आगमन के बाद बाल गंगाधर तिलक ने जो लड़ाई लड़ी, वही स्वदेशी की भावना थी। हमारी सरकार ने भी वह सब करने का प्रयास किया है जो स्वदेशी के लिए आवश्यक है। 1235 में जब हम कमजोर थे तो महाकाल का मंदिर तोड़ दिया गया था। हमारे शासक मजबूत हुए तो ढाई सौ साल बाद मंदिर पुनः बन गया। पिछले साल का आंकड़ा है कि 7 करोड़ लोग अकेले उज्जैन में आए। हमारे राज्यों की सीमाएँ चाहे सीमित हों, लेकिन हमारी सांस्कृतिक धारा हमें स्वदेशी के भाव के आधार पर उस दौर में ले जाती है और देश की आंतरिक ताकत को मजबूत करती है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दिलाया स्वदेशी का संकल्प

मैं संकल्प करता हूं कि अपने देश को समृद्ध एवं विकसित राष्ट्र बनाने के लिए अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए स्वदेशी उत्पादों का उपयोग करूंगा। मैं स्वदेशी से स्वावलंबी संकल्प शक्ति हेतु स्वदेशी उत्पादों की खरीदारी करूंगा। उनका उपयोग करने के लिए मैं अपने मित्रों परिवार जनों एवं समाज को स्वदेशी उत्पादों के बारे में जागरूक करूंगा। स्वदेशी उत्पादों के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए जनसंचार के माध्यमो का उपयोग करूंगा। मैं अपने देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने और स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने का प्रयत्न करूंगा।

दुनिया के ठेकेदार बनने के चक्कर में अमेरिका को बर्बाद कर रहे ट्रंप : इमरान मसूद

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने अमेरिकी अदालत के उस फैसले का समर्थन किया है, जिसमें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए अधिकांश टैरिफ को गैरकानूनी बताया है। सांसद मसूद ने कहा कि एक समझदार नेता को देश का नेतृत्व करते समय लाभ-हानि का आकलन करना चाहिए। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप पर आरोप लगाया कि वह बिना सोचे-समझे नीतियां लागू कर रहे हैं। इससे

अन्य देशों को कितना नुकसान होगा यह दूसरी बात है, लेकिन खुद अमेरिका की अर्थव्यवस्था को कितना नुकसान होगा, वे इसका आकलन नहीं कर रहे हैं।

कांग्रेस सांसद के अनुसार

ट्रंप की दादागिरी और वर्चस्व दिखाने की नीति से अमेरिका की वैश्विक स्थिति कमजोर होगी। बिहार में जारी वोटर अधिकार यात्रा में सपा प्रमुख अखिलेश यादव के शामिल होने पर कहा कि राहुल गांधी ने एक नई क्रांति की शुरूआत की है। यह क्रांति एक चिंगारी की तरह है, जो पूरे देश में फैल रही है और इससे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) बौखलाई हुई है। उन्होंने कहा कि भाजपा इस क्रांति को रोकने के लिए नैरेटिव बदलने की कोशिश कर रही है, लेकिन वे इसमें सफल नहीं होने वाले है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता महुआ मोइत्रा के बयान पर कहा कि मैंने उनका बयान नहीं सुना है, लेकिन वह एक सभ्य महिला हैं और मुझे नहीं लगता कि महुआ ने ऐसा कोई बयान दिया होगा।

बांग्ला भाषा बोलने वालों को, बांग्लादेशी नहीं मान सकते - सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है, कि बांग्ला भाषा बोलने वालों को बांग्लादेशी नहीं माना जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस सूर्यकांत जस्टिस जायमाल्य बागची तथा एम पंचोली की खंडपीठ याचिका की सुनवाई कर रही है। बंगाल प्रवासी श्रमिक कल्याण बोर्ड की ओर से यह याचिका दायर की गई है। सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ ने कहा, बांग्लादेश से अवैध घुसपैठ होना

राष्ट्रीय सुरक्षा और चिंता का कारण है। भाषा के आधार पर पहचान और आरोप को सही नहीं माना जा सकता है। जस्टिस बागची ने कहा जो लोग भारत में पहले से रह रहे हैं।उनके लिए कानूनी प्रक्रिया का पालन करना जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ ने यह भी कहा,पंजाबी, बंगाली भाषा में संस्कृति और साझा विरासत है। ऐसी स्थिति में केंद्र सरकार को अपनी स्थिति स्पष्ट करना होगा।

टैरिफ का दिखाने लगा असर

कानपुर से जाने वाले कंटेनरों की मांग कम हुई

कानपुर। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा टैरिफ लगाने का कानपुर के निर्यात पर असर पड़ा है, जिससे कंटेनर भाड़े में कमी आई है। यूपी के कारोबारी शहर कानपुर से अमेरिका को होने वाले निर्यात में 40 प्रतिशत की गिरावट के कारण, कंटेनरों की मांग कम हुई है। इसका सीधा असर भाड़े पर पड़ा है।

पहले जो भाड़ा 2,500 डॉलर प्रति कंटेनर था, वह अब घटक 2,200 डालर हो गया है। इस कमी का फायदा या विक्रेता को मिलेगा या फिर खरीदार को, यह इस बात पर निर्भर करता है कि भाड़ा कौन चुका रहा है। पहले कानपुर से अमेरिका और उसके पड़ोसी देशों में हर महीने करीब 50 कंटेनर भेजे जाते थे, लेकिन अब यह संख्या घटकर केवल 30 कंटेनर रह गई है।

पीएम मोदी ने जापानी प्रधानमंत्री और उनकी पत्नी को भेंट किए अनूठे उपहार

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए दो दिवसीय जापान यात्रा पर हैं। इस यात्रा के दौरान भारत-जापान के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों और सांस्कृतिक जुड़ाव को और प्रगाढ़ बनाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जापान के प्रधानमंत्री और उनकी पत्नी को भारतीय परंपरा, कला और शिल्पकला की झलक से सजे विशेष उपहार भेंट किए। ये उपहार भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को दर्शाने के साथ-साथ जापान की परंपरा और जीवनशैली से भी जुड़ाव स्थापित करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने जापान के प्रधानमंत्री को बेशकीमती पत्थरों और चांदी की चॉपस्टिक से बना बाउल सेट भेंट किया है। यह अनूठा सेट भारतीय शिल्पकला और जापानी खानपान परंपरा का संगम है। इसमें एक बड़ा भूरा मूनस्टोन बाउल, चार छोटे बाउल और चांदी की चॉपस्टिक्स शामिल हैं। इसका डिजाइन जापान की डोनबुरी और सोबा खाने की रस्मों से प्रेरित है। इस बाउल में प्रयुक्त मूनस्टोन आंध्र

प्रदेश से प्राप्त किया गया है, जो अपनी चमकदार आभा के लिए प्रसिद्ध है। मूनस्टोन प्रेम, संतुलन और संरक्षण का प्रतीक माना जाता है। वहीं, मुख्य बाउल का आधार राजस्थान के मकराना संगमरमर पर तैयार किया गया है और पर्चिनकारी शैली में अर्ध-कीमती पत्थरों की नक्काशी की गई है। यह शैली ताजमहल सहित भारत की कई ऐतिहासिक धरोहरों में दिखाई देती है। इसके अलावा, प्रधानमंत्री मोदी ने जापानी प्रधानमंत्री की पत्नी को पश्मीना शॉल एक पेपर मेश बॉक्स में भेंट किया, जिसे कश्मीर के कारीगरों ने बारीकी से तैयार किया है। यह शॉल लद्दाख की चांगथांगी बकरी की ऊन से बनाई गई है, जो अपनी हल्की, मुलायम और गुणवत्ता के लिए पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। कश्मीरी कारीगरों द्वारा हाथ से बुनी गई इस शॉल में सदियों पुरानी परंपरा की झलक है, जिसे कभी शाही परिवार बहुत पसंद करते थे। शॉल का आधार हाथीदांत (आइवरी) रंग का है, जिस पर रस्ट, गुलाबी और लाल रंग में कोमल फूलों और पेसले पैटर्न की कढ़ाई की गई है। यह पारंपरिक कश्मीरी शिल्प और सदियों पुरानी बुनाई कला की झलक पेश करता है। इस शॉल को एक हैंड-पेंटेड बॉक्स में सजाकर रखा गया है। इस बॉक्स पर हाथ से बनाए गए पुष्प और पक्षियों के चित्र हैं, जो इसकी सुंदरता और सांस्कृतिक महत्व को और बढ़ा देते हैं। इन उपहारों के माध्यम से प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की विविध कला और शिल्पकला को अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शित किया है। इसके साथ ही उन्होंने भारत-जापान के बीच सांस्कृतिक और पारंपरिक रिश्तों को और मजबूत किया।

राहुल-तेजस्वी की यात्रा में शामिल नहीं हुई ममता, अब भेज रहीं दो नेता

वोटर अधिकार यात्रा में सीएम स्टालिन और रेड्डी कर चुके हैं शिरकत

पटना। बिहार में वोटर लिस्ट को संशोधित करने के लिए चुनाव आयोग ने एसआईआर अभियान चलाया। विपक्षी दलों का आरोप है कि इसके जरिए कई वैलिड वोटर्स के नाम हटाने का काम किया गया। चुनाव आयोग ने इस पर सख्त आपत्ति जताते हुए सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया था। यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच चुका है। ये सब घटनाक्रम ऐसे वक्त में हुआ, जब बिहार में विधानसभा चुनाव होना है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, आरजेडी नेता तेजस्वी यादव समेत विपक्ष के तमाम नेता ह्यवोट चोरीह्व जैसा गंभीर आरोप लगा रहे हैं। इन सबके बीच, विधानसभा चुनाव से ठीक पहले इंडिया ब्लॉक को एकजुट करने की कवायद के तहत राहुल और तेजस्वी की अगुआई में बिहार में ह्यवोटर अधिकार यात्राह्व निकाली जा रही है। इस यात्रा में तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन और तेलंगान के सीएम रेवंत रेड्डी जैसे नेताओं ने शिरकत की। यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव भी इस यात्रा का हिस्सा बने लेकिन विपक्षी गुट की धाकड़ नेता और पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी इस यात्रा से दूरी बनाए हुए हैं। बता दें ममता बनर्जी विपक्ष की ताकतवर नेता हैं, ऐसे में वोटर अधिकार यात्रा में

उनका शिरकत न करना कई तरह के सवाल खड़े कर रहा है। हालांकि, अब यह खबर सामने आई है कि सीएम ममता ने इस यात्रा में टीएमसी का प्रतिनिधित्व करने के लिए दो नेताओं को नामित किया है। इनमें यूसुफ पठान और ललितेश त्रिपाठी हैं। यूसुफ पठान बहरामपुर सीट से सांसद हैं, वहीं ललितेश त्रिपाठी टीएमसी की नेशनल वर्किंग कमेटी के सदस्य हैं। अब ये दोनों नेता वोटर अधिकार यात्रा में ममता बनर्जी की पार्टी का प्रतिनिधित्व करेंगे। दिलचस्प बात यह है कि पश्चिम बंगाल में भी वोटर लिस्ट को अपडेट करने की कोशिश की जा रही है। पिछले दिनों पश्चिम बंगाल की सीएम ममता ने कोलकाता की रैली में बीजेपी, चुनाव आयोग और वामपंथी दलों पर जमकर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था कि चुनाव आयोग पश्चिम बंगाल सरकार के अधिकारियों को धमका रहा है, जबकि उसका अधिकार क्षेत्र केवल चुनाव के दौरान तीन महीने का है। ममता बनर्जी ने बंगाल की जनता से आह्वान किया कि अगर कोई सर्वे करने आए तो कोई जानकारी न दें। अपना आधार कार्ड तैयार रखें। दरअसल, पश्चिम बंगाल में भी अगले साल 2026 में विधानसभा चुनाव होना हैं। प्रदेश में टीएमसी का बीजेपी से सीधा मुकाबला है। बंगाल की सीएम भी चुनाव आयोग पर लगातार आरोप लगाती रही हैं। बिहार में राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की वोटर अधिकार यात्रा में इंडिया ब्लॉक के एक और दिग्गज नेता ने हिस्सा लिया। अब अखिलेश यादव की भी इस यात्रा में एंट्री हो चुकी है। चुनाव आयोग की ओर से कथित तौर पर 65 लाख मतदाताओं के नाम काटे जाने के विरोध में शुरू हुई वोटर अधिकार यात्रा अब अंतिम चरण में है। बता दें राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की अगुआई में निकाली जा रही इस यात्रा को विपक्ष का शक्ति प्रदर्शन माना जा रहा है और इसे लोगों का समर्थन भी मिल रहा है। यात्रा का भव्य स्वागत हो रहा है।

कश्मीर में एमबीबीएस दाखिले के फजीवाड़े का खुलासा

श्रीनगर। आर्थिक अपराध शाखा (क्राइम ब्रांच कश्मीर) ने बांग्लादेश में मेडिकल कॉलेज में दाखिला दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। मामले में चार आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है और उनके छह ठिकानों पर तलाशी ली गई है। दरअसल क्राइम ब्रांच को शिकायत मिली थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि कुछ लोग बांग्लादेश के मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस दाखिले का वादा करके लोगों से पैसे ऐंठ रहे हैं। प्रारंभिक जांच में पता चला कि आरोपियों ने लोगों से मेडिकल प्रवेश के नाम पर मोटी रकम ली, लेकिन किसी भी कॉलेज में पैसे ट्रांसफर नहीं किए। यह एक सुनियोजित धोखाधड़ी और आपराधिक साजिश का मामला है। इसके बाद मामले की जांच शुरू की गई। आर्थिक अपराध शाखा ने इस मामले में चार आरोपियों को नामजद किया गया है। आर्थिक अपराध शाखा की रिपोर्ट में सबसे पहला नाम पीरजादा आबिद बिजबेहरा जो कि नटिपोरा की आजाद बस्ती में रहता है। वह यूरोप कंसल्टेंसी सेंटर का मालिक है। सैयद वसी पुलवामा के करीमाबाद का निवासी, जो नटिपोरा की आजाद बस्ती में रहता है। वह ओवरसीज कंसल्टेंसी का मालिक है। सैयद सुहैल ऐजाज कोकेरनाग के ताकिया मगाम का निवासी, जो फिलहाल बेमिना के मुस्लिमाबाद में रह रहा है।

महुआ मोइत्रा के बयान पर हंगामा, बीजेपी नेताओं ने दी घोर निंदा

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ विवादास्पद टिप्पणी की है, इस पर काफी हंगामा हो रहा है। उन्होंने यह टिप्पणी सीमा पार से होने वाली घुसपैठ के मुद्दे पर मोदी सरकार की आलोचना करते हुए की। इसके बाद महुआ मोइत्रा के इस बयान की कई भाजपा नेताओं ने कड़ी निंदा की है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बयान को अक्षम्य और घोर निंदनीय बताया। उन्होंने पोस्ट कर लिखा कि यह टिप्पणी भारतीय लोकतांत्रिक मूल्यों में विश्वास रखने वाले हर भारतीय का अपमान है। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस से अभद्र टिप्पणी के लिए पूरे देश से तुरंत माफी मांगने की मांग की। वहीं असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने भी महुआ के बयान की आलोचना की। उन्होंने कहा कि महुआ मोइत्रा का वीडियो ही उनकी मानसिकता को दशार्ता है और इस पर और कुछ कहने की जरूरत नहीं है। वहीं भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने महुआ मोइत्रा के बयान को किसी भी लोकतांत्रिक राजनीति पर एक धब्बा बताया। उन्होंने कहा कि यह जहरीली भाषा बंगाल और देश दोनों के लोगों का अपमान करती है और यह तृणमूल कांग्रेस और इंडिया ब्लॉक की हताशा को दिखाता है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ टिप्पणी करने के मामले में महुआ के खिलाफ शिकायतें भी दर्ज की गई हैं। दिल्ली में भाजपा विधायक रविंद्र नेगी और पश्चिम बंगाल के नादिया में एक पार्टी कार्यकर्ता ने उनके खिलाफ शिकायत दी है।

संपादकीय

इन्फ्लुएंसर्स को सुप्रीम चेतावनी

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स के कंटेंट से जुड़े मामले में सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने जो कुछ कहा है, उसे बहुत सावधानी से लेने की जरूरत है। समय रैना समेत पांच सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स की टिप्पणियों को दिव्यांगों की गरिमा के खिलाफ पाया गया है।इंटरनेट सेंसेशन के इस दौर में जब अपने कंटेंट को वायरल बनाने की इच्छा सब पर हावी होती दिख रही है, इस केस ने यह ध्यान दिलाया है कि हर दूसरे अधिकार की तरह अभिव्यक्ति की आजादी भी अपने साथ जिम्मेदारी लेकर आती है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में ठीक ही बेहद सख्त रुख दिखाते हुए कहा कि किसी को भी दूसरों पर, खासकर दिव्यांगों, बीमारों, जैसे कमजोर तबकों पर हंसने की छूट नहीं दी जा सकती। अदालत का यह मानक भी तर्कसंगत कहा जाएगा कि प्रायश्चित के तौर पर की जाने वाली क्षतिपूर्ति होने वाले नुकसान के मुकाबले ज्यादा होनी चाहिए।इसमें दो राय नहीं कि ऑनलाइन कंटेंट से जुड़े मामलों के लिए सरकार की ओर से गाइडलाइन होनी चाहिए। इस सिलसिले में अटॉर्नी जनरल की तरफ से बताया गया कि सभी स्टेकहोल्डर्स से बातचीत की प्रक्रिया शुरू की जा चुकी है। लेकिन कोर्ट ने भी माना कि इस तरह की कोई भी गाइडलाइन किसी खास केस की प्रतिक्रिया में आनन-फानन तैयार नहीं की जा सकती और न ही ऐसा किया जाना चाहिए। यह कार्य न केवल मौजूदा परिस्थिति और इससे जुड़े तमाम पहलुओं का बल्कि आने वाले दौर की चुनौतियों का भी ध्यान रखते हुए करना होगा।सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी से यह सवाल भी सामने आया कि क्या अभिव्यक्ति की आजादी को कमर्शल और नॉन कमर्शल जैसी दो श्रेणियों में बांटकर देखा जा सकता है। ध्यान रहे, संविधान की ओर से सभी नागरिकों को अभिव्यक्ति का एक जैसा अधिकार दिया गया है। इसके साथ जुड़ी पाबंदियां भी सबके लिए समान हैं। यहां तक कि मीडिया या मीडियाकर्मियों को भी अलग से कोई अधिकार नहीं दिया गया है। ऐसे में इस पर विचार करना होगा कि क्या किसी की अभिव्यक्ति को इस आधार पर अलग तरह से देखा जाना चाहिए कि वह कमर्शल कंटेंट की श्रेणी में आता है या नहीं।पिछली सुनवाई की रोशनी में देखा जाए तो स्पष्ट हो जाता है कि इस मामले में अनुच्छेद 19 के तहत मिले अभिव्यक्ति के अधिकार और अनुच्छेद 21 के तहत मिले गरिमापूर्ण जीवन के अधिकार दोनों पर विचार करना है। जाहिर है, यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि शीर्ष अदालत कैसे दोनों के बीच संतुलन साधते हुए आगे बढ़ती है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के शताब्दी वर्ष पर दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित वार्षिक व्याख्यानमाला केवल एक उत्सव मात्र नहीं था, बल्कि यह आयोजन भारत की आत्मा और उसके भविष्य की एक गहन घोषणा थी। संघ सरचालक मोहन भागवत ने इन व्याख्यानों में जिस स्पष्टता और गंभीरता से अपने विचार रखे, उन्होंने संघ की विचारधारा के प्रति व्याप्त भ्रांतियों का निवारण करने के साथ-साथ भारत को विश्वगुरु बनाने की दिशा में एक नया क्षितिज भी उद्घाटित किया। यह आयोजन संघ के सौ वर्ष की साधना का मूल्यांकन ही नहीं, बल्कि आने वाले सौ वर्षों की दिशा का भी उद्घोष था।

विश्वगुरु बनने की नई इबारत लिखता भागवत का उद्बोधन

(ललित गर्ग)

हिंदुत्व को लेकर जो भ्रांतियाँ फैलाई जाती रही हैं, उन्हें भी भागवत ने तार्किक ढंग से दूर किया। उन्होंने कहा कि हिंदुत्व किसी संकीर्ण परिभाषा का नाम नहीं है। यह कोई धर्म विशेष की पूजा-पद्धति या संप्रदाय नहीं है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के शताब्दी वर्ष पर दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित वार्षिक व्याख्यानमाला केवल एक उत्सव मात्र नहीं था, बल्कि यह आयोजन भारत की आत्मा और उसके भविष्य की एक गहन घोषणा थी। संघ सरचालक मोहन भागवत ने इन व्याख्यानों में जिस स्पष्टता और गंभीरता से अपने विचार रखे, उन्होंने संघ की विचारधारा के प्रति व्याप्त भ्रांतियों का निवारण करने के साथ-साथ भारत को विश्वगुरु बनाने की दिशा में एक नया क्षितिज भी उद्घाटित किया। यह आयोजन संघ के सौ वर्ष की साधना का मूल्यांकन ही नहीं, बल्कि आने वाले सौ वर्षों की दिशा का भी उद्घोष था। नई इबारत लिखते हुए भागवत ने स्पष्ट कहा कि संघ की कार्यप्रणाली का सार है,नए मनुष्य का निर्माण। यह विचार सुनने में सरल लग सकता है, किंतु इसके निहितार्थ अत्यंत गहरे हैं। समाज और राष्ट्र की सारी समस्याओं का मूल व्यक्ति के भीतर छिपा है। इसीलिये देश के सभी वर्गों को एकसूत्र में जोड़ने के संकल्प के साथ संघ आगे बढ़ेगा क्योंकि जब तक व्यक्ति का चरित्र, दृष्टि और आचरण नहीं बदलते, तब तक कोई भी व्यवस्था स्थायी रूप से परिवर्तित नहीं हो सकती। संघ व्यक्ति-निर्माण के माध्यम से समाज और राष्ट्र को बदलने की दीर्घकालिक साधना कर रहा है। यही कारण है कि संघ के कार्य का परिणाम केवल शाखाओं या कार्यक्रमों में नहीं मापा जा सकता, बल्कि उस अदृश्य लेकिन ठोस नैतिक शक्ति में देखा जा सकता है, जो धीरे-धीरे समाज की दिशा बदल रही है।

हिंदुत्व को लेकर जो भ्रांतियाँ फैलाई जाती रही हैं, उन्हें भी भागवत ने तार्किक ढंग से दूर किया। उन्होंने कहा कि हिंदुत्व किसी संकीर्ण परिभाषा का नाम नहीं है। यह कोई धर्म विशेष की पूजा-पद्धति या संप्रदाय नहीं है। हिंदुत्व भारतीय जीवन दृष्टि है, वह व्यापक सांस्कृतिक धारा है, जिसमें करुणा, समरसता, सेवा, अहिंसा, सत्य और आत्मानुभूति का सम्मिलन है। हिंदुत्व सबको जोड़ता है, किसी को अलग नहीं करता। यह भारत की आत्मा है और इसी आत्मा के बल पर भारत को विश्वगुरु बनने की पात्रता प्राप्त हो सकती है। इस स्पष्ट व्याख्या ने उस संदेह को भी दूर किया कि संघ का हिंदुत्व राजनीतिक या सत्ता प्राप्ति का साधन है। वास्तव में यह संपूर्ण मानवता को एक सूत्र में बांधने वाली दृष्टि है, जिसमें भेदभाव के लिए कोई स्थान नहीं है। दूसरे दिन के वक्तव्य में भागवत ने और गहराई से विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने पंचकर्म की चर्चा करते हुए कहा कि जैसे आयुर्वेद में पंचकर्म शरीर की शुद्धि का साधन है, वैसे ही समाज की शुद्धि और पुनर्निर्माण के लिए भी पंचकर्म आवश्यक है। उन्होंने पांच आयाम बताए- चरित्र निर्माण, संगठन निर्माण, समरसता, गरीब का उत्थान और आध्यात्मिक जागरण। यह पांचों पहलू किसी भी समाज के स्थायी स्वास्थ्य और विकास के आधार हैं। केवल राजनीतिक सुधार या आर्थिक प्रगति से राष्ट्र महान नहीं बनता, बल्कि तब

बनता है जब व्यक्ति का चरित्र शुद्ध हो, समाज संगठित हो, उसमें समरसता हो, कमजोर वर्ग को उत्थान मिले और राष्ट्र का जीवन उच्च आध्यात्मिक मूल्यों से संपन्न हो।

विशेष रूप से गरीब आदमी के उत्थान पर भागवत का जोर उल्लेखनीय था। उन्होंने कहा कि भारत तभी सशक्त होगा जब समाज के अंतिम व्यक्ति तक सम्मान और अवसर पहुंचे। यह विचार महात्मा गांधी के 'अंत्योदय', विनोबा भावे के 'सर्वोदय' और दीनदयाल उपाध्याय के 'एकात्म मानववाद' की पुनर्स्मृति कराता है। आधुनिक भारत की सबसे बड़ी चुनौती यही है कि विकास के लाभ समाज के सभी तबकों तक समान रूप से नहीं पहुंचते। अमीर-गरीब की खाई बढ़ती जा रही है। यदि इस खाई को नहीं भरा गया, तो राष्ट्र की प्रगति अधूरी रह जाएगी। भागवत का दृष्टिकोण यह है कि राष्ट्र तभी महान बन सकता है जब उसका सबसे कमजोर नागरिक भी गरिमा और सम्मान के साथ जीवन जी सके। धर्मों की एकता पर उनका दृष्टिकोण भी उतना ही महत्वपूर्ण था। भारत का इतिहास यही बताता है कि यहां विविधता में एकता की परंपरा रही है। हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, बौद्ध, जैन- सभी धर्म इस भूमि पर फले-फूले हैं और सभी का मूल संदेश करुणा, सेवा और मानवता रहा है। समस्या तब उत्पन्न होती है जब धर्म को सत्ता की राजनीति से जोड़ा जाता है। भागवत का कहना था कि यदि हम धर्मों के मूल्यों को देखें तो उनमें कोई टकराव नहीं है। सबका आधार प्रेम, सत्य और सेवा है। यही साझा आधार भारत को एक ऐसा समाज बनाने में सक्षम है, जो विश्व के लिए अनुकरणीय हो।

भागवत के विचार निश्चित रूप से भारत की सांस्कृतिक परंपरा और संघ की कार्यप्रणाली को नई स्पष्टता देते हैं, लेकिन यहां यह प्रश्न भी उठता है कि इन विचारों को व्यवहार में उतारने की राह कितनी सरल है? समाज की जटिलताओं, जातीय और धार्मिक तनावों, राजनीतिक स्वार्थों और आर्थिक विषमताओं के बीच नया मनुष्य बनाना एक दीर्घकालिक साधना है। आलोचक कहते हैं कि संघ के पास विचार तो हैं, लेकिन उनकी जड़ें अभी तक समाज के सभी वर्गों तक गहराई से नहीं पहुँची हैं।

विशेषकर अल्पसंख्यक समुदायों में संघ के प्रति संदेह आज भी विद्यमान है। इसलिए केवल वक्तव्यों से नहीं, बल्कि ठोस और पारदर्शी कार्यों से यह भरोसा पैदा करना होगा कि संघ का हिंदुत्व वास्तव में सर्वसमावेशी है। इसी तरह गरीब के उत्थान और धर्मों की एकता की बातें विचारणीय हैं, किंतु यह भी देखना होगा कि क्या संघ और उससे जुड़े संगठन इस दिशा में ठोस योजनाएं और परिणाम दे पा रहे हैं? आलोचक यह प्रश्न उठाते हैं कि विकास की मुख्यधारा में गरीबों की स्थिति सुधारने में सामाजिक संगठनों से अधिक भूमिका सरकार की रही है। अतः यदि संघ इन बिंदुओं को अपनी कार्ययोजना का मूल बनाए, तो उसे केवल नैतिक आह्वान से आगे बढ़कर व्यावहारिक नीतियां और कार्यक्रम तैयार करने होंगे। तभी यह दृष्टि प्रभावी सिद्ध होगी और भारत सचमुच उस दिशा में बढ़ सकेगा, जिसकी परिकल्पना व्याख्यानमाला में की गई।

आज की वैश्विक परिस्थितियों पर दृष्टि डालें तो भागवत के विचार और भी प्रासंगिक हो उठते हैं। दुनिया हिंसा, आतंकवाद, युद्ध और उपभोक्तावाद की अंधी दौड़ से त्रस्त है। पर्यावरण संकट दिन-प्रतिदिन गंभीर होता जा रहा है। मानसिक तनाव और आत्मकेंद्रित जीवन-शैली ने मानव को भीतर से खोखला कर दिया है। इन परिस्थितियों में भारत ही वह देश है, जो एक वैकल्पिक जीवन-दर्शन दे सकता है। भारत के पास भौतिक विकास के साथ-साथ आध्यात्मिक समृद्धि की धरोहर है। यही धरोहर भारत को विश्वगुरु बनने की पात्रता प्रदान करती है। संघ की शताब्दी वर्ष की यह व्याख्यानमाला केवल संघ के स्वयंसेवकों के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश और विश्व के लिए एक संदेश है। यह संदेश है-नए मनुष्य का निर्माण करना, गरीब को उठाना, धर्मों को जोड़ना, समाज में समरसता स्थापित करना और हिंदुत्व की व्यापक जीवन दृष्टि के आधार पर विश्व को दिशा देना। यह केवल भाषण नहीं, बल्कि एक संकल्प है। यदि भारत को सचमुच विश्वगुरु बनना है, तो यह संकल्प पूरे समाज का होना चाहिए।

संघ को लेकर लंबे समय से यह आरोप लगाया जाता रहा है कि उसकी विचारधारा संकीर्ण है, वह केवल बहुसंख्यक समाज का प्रतिनिधित्व करता है, उसमें अल्पसंख्यकों के लिए कोई स्थान नहीं है। भागवत के इन वक्तव्यों ने यह स्पष्ट कर दिया कि संघ का दृष्टिकोण न तो संकीर्ण है और न ही बहिष्कृत करने वाला। संघ का हिंदुत्व सर्वसमावेशी है, जिसमें सभी धर्म और सभी आस्थाएं स्थान पा सकती हैं।

इसका उद्देश्य सत्ता की राजनीति नहीं, बल्कि समाज का नैतिक और सांस्कृतिक पुनर्निर्माण है। संघ की शताब्दी का यह अवसर इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि आज भारत का भविष्य एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। एक ओर आर्थिक प्रगति, तकनीकी उपलब्धियां और वैश्विक मंच पर भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा है, तो दूसरी ओर आंतरिक चुनौतियां भी हैं-सामाजिक असमानता, जातीय तनाव, धार्मिक विद्वेष और मूल्यहीन राजनीति।

प्रो. संजय द्विवेदी की पत्रकारीय पारी के तीन दशक

रचना, सृजन और संघर्ष से बनी शख्सियत

मणिकांत शुक्ला

प्रोफेसर संजय द्विवेदी की लेखनी को किसी परिधि में बांधना संभव नहीं है। 1994 में भोपाल के दैनिक भास्कर से अपनी सक्रिय पत्रकारिता प्रारंभ करने वाले प्रोफेसर द्विवेदी इस क्षेत्र में तीन दशक पूरे कर चुके हैं। इस दौरान उनके हिस्से 35 से अधिक किताबें, विपुल लेखन के साथ मीडिया शिक्षा और पत्रकारिता क्षेत्र में उनकी नेतृत्वकारी भूमिकाएं रेखांकित किए जाने योग्य है। जीवन को देखने और रचने का उनका नजरिया कुछ अलग है। एक पत्रकारिता के शिक्षक के मन की संवेदनाएं निश्चित ही आम आदमी से भिन्न होती हैं। उनकी लेखनी में मर्यादा, शब्दों में शालीनता और शैली में अद्भुत संयम है। प्रोफेसर द्विवेदी के लेख पढ़कर कभी-कभी ऐसा लगता है कि उन्होंने अमूर्तन का रास्ता चुना है। उन्होंने तथ्यों के साथ भाव को भी उतनी ही प्रधानता दी है। सौंदर्य उनकी लेखनी का मुख्य पक्ष है जिसके माध्यम से वे जीवन के हर पहलू को निष्पक्ष भाव से सामने रखते हैं। यकीनन उनकी कलम से जो अमूर्त रूप उभरते हैं वह सामाजिक संरचना के सबसे महत्वपूर्ण पहलू को भी व्यक्त करते हैं। मैं उनकी पोस्ट्स पढ़ता हूं, लेकिन कभी-कभी लाइक भी नहीं कर पाता। मुझे लगता है कि अगर लाइक कर दिया, तो उस पर प्रतिक्रिया देने की जिम्मेदारी आ जाएगी। और सच कहूं तो, उनके लेख पर सिर्फ एक-दो पंक्तियों की टिप्पणी करना मुझे एक लेखक का अपमान जैसा लगता है। इससे बेहतर तो यही है कि उनकी हर पोस्ट को सहेजकर रखा जाए। जब ज़िंदगी के शोर-शराबे से मन ऊब जाए, तब एकांत में बैठकर उन्हें पढ़ा जाए। उनके लेखों में ऐसी अप्रत्याशित सुंदरता और गहराई होती है कि हर अंतरा एक नए मोड़ की ओर ले जाता है।

उनकी पोस्टें लंबी होती हैं , लेकिन वे उसकी परवाह नहीं करते , उनका ध्यान अपने लेखों को उसके सही स्वरूप और वो भावनात्मक जामा देने में रहता है जो की वे सोचते हैं। पढ़ने की आदत और जुनून की वजह से उनके कई लेख पढ़े। कभी-कभी तो मन करता है कि उनकी सभी फेसबुक पोस्टों का प्रिंटआउट निकालूं और साप्ताहिक अवकाश पर सारे काम को छोड़कर दिनभर शांति से पढ़ता रहूं। सच कहूं तो, उनके लेखन में वो कशिश है जो शब्दों के माध्यम से सीधे दिल तक पहुंचती है। ऐसे लेखक बहुत कम मिलते हैं, और संजय द्विवेदी जी उनमें से एक हैं। उनकी लेखनी में यथार्थ से लेकर सामयिक चिंतन है। जो पाठक को लेखन के साथ स्वाभाविक रूप से उसमें निहित सूक्ष्म भावनाओं को बड़ी कोमलता के साथ महसूस करने पर विवश करती है।

लेखक की असली परख शब्दों की शालीनता में है। कम से कम शब्दों में बड़ी से बड़ी मानवीय भावना को व्यक्त करना ही उनकी शैली है। पिछले दिनों उनसे बातचीत हुई तो पता चला कि वे मेरे जिले फैजाबाद(अब अयोध्या) के ही रहने वाले हैं। इतना पता चलते ही वे बिल्कुल ठेठ अवधी अंदाज में बात करने लगते हैं। फोन पर उन्होंने कहा, जाव भाय तू तो हमरेन खियां कै हौ... अबकी दिल्ली आउब तौ जरूर मिलब। बतियाय के जी खुश होइगा। उनके इस अंदाज ने अंतस को आनंदित कर दिया। उन्होंने जो ई-पुस्तक भेजी आज दिन भर उसे ही पढ़कर आनंद लेता रहा।लोक जीवन, देश और समाज को समझने के लिए 'यायावरी' जरूरी है। यही किसी लेखक की सफलता होती है।

द्विवेदी जी की यायावरी उनके लेखन के लालित्य को निखारती है। देशज शब्दों में नई प्राणधारा संचरित करने का सामर्थ्य उनकी यायावरी से जन्मता है। कभी-कभी लगता है कि दुनिया वाकई बहुत छोटी है। हर कोई कहीं ना कहीं से जुड़ा ही रहता है। यही जुड़ाव हमारी पूंजी है। हिंदी पत्रकारिता में अपने तीन दशक पूरे कर चुके प्रोफेसर द्विवेदी से उम्मीद है कि वे अपनी सृजनशीलता से हिंदी समाज को समृद्ध करते रहेंगे।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं और दिल्ली में रहते हैं)

जियो-पॉलिटिकल लव ट्रेंगल- क्या एक रूस, एक भारत और एक चीन के स्वप्न से बनेगी बात?

आए दिन बदलती वैश्विक परिस्थितियों के बीच जियो-पॉलिटिकल लव ट्रेंगल के दृष्टिगत एक रूस, एक भारत और एक चीन के अघोषित स्वप्न यक्ष प्रश्न समुपस्थित है। देखा जाए तो प्रथम-द्वितीय विश्वयुद्ध के प्रणेता रहे अमेरिका-यूरोप की कुचक्री नीतियों के प्रतिरोध स्वरूप बन रहे यूरेशियाई ब्लॉक यानी रूस-चीन-भारत के समूह और उसके प्रस्तावित आरआईसी त्रिकोण के सम्मुख यह मौलिक सवाल समुपस्थित है कि क्या इस त्रिकोण के बिना उनके विश्वव्यापी भविष्य और उनकी सफलता दोनों संदिग्ध रहेगी।

(कमलेश पांडे)

ऐसे में संयुक्त राज्य अमेरिका और दो दर्जन देशों से अधिक की सदस्यता वाले यूरोपीय संघ में शामिल नाटो देशों के अंतरराष्ट्रीय तिकड़मों से निपटने के लिए जरूरी है कि रूस, भारत, चीन तीनों अपना-अपना विस्तार करें। खुद को उम्मीद से ज्यादा मजबूत बनाएं।

आए दिन बदलती वैश्विक परिस्थितियों के बीच जियो-पॉलिटिकल लव ट्रेंगल के दृष्टिगत एक रूस, एक भारत और एक चीन के अघोषित स्वप्न यक्ष प्रश्न समुपस्थित है। देखा जाए तो प्रथम-द्वितीय विश्वयुद्ध के प्रणेता रहे अमेरिका-यूरोप की कुचक्री नीतियों के प्रतिरोध स्वरूप बन रहे यूरेशियाई ब्लॉक यानी रूस-चीन-भारत के समूह और उसके प्रस्तावित आरआईसी त्रिकोण के सम्मुख यह मौलिक सवाल समुपस्थित है कि क्या इस त्रिकोण के बिना उनके विश्वव्यापी भविष्य और उनकी सफलता दोनों संदिग्ध रहेगी।

ऐसा इसलिए कि वर्तमान अमेरिकी सनक और हनक के प्रतिक्रिया स्वरूप अब भारत ने गुटनिरपेक्षता के बजाए रूस के साथ चीन की ओर जिस तरह से अपना झुकाव प्रदर्शित किया है, वह अमेरिका-यूरोप के मित्रगत समझ और उन पर आधारित तिकड़मों को तो करारा जवाब है ही, साथ ही भारत अपनी गुटनिरपेक्ष नीतियों से इतर भी एक नया और ठोस संकेत दे रहा है, जिसे समझने की जरूरत है।

मसलन, यह कि अपने दूरगामी राष्ट्रीय हितों की पूर्ति के लिए भारत किसी भी विकसित देश के धौंसपट्टी में नहीं आएगा और इसकी भरपाई के लिए घोर शत्रु से भी हाथ मिलाने में नहीं हिचकिचाएगा। अमेरिका यदि पाकिस्तान-बंगलादेश को भारत के खिलाफ भड़कएगा तो भारत भी अब चुप नहीं रहेगा, बल्कि आक्रामक रणनीतिक पलटवार ऑपरेशन सिंदूर की भांति करेगा।

ऐसे में संयुक्त राज्य अमेरिका और दो दर्जन देशों से अधिक की सदस्यता वाले यूरोपीय संघ में शामिल नाटो देशों के अंतरराष्ट्रीय तिकड़मों से निपटने के लिए जरूरी है कि रूस, भारत, चीन तीनों अपना-अपना विस्तार करें। खुद को उम्मीद से ज्यादा मजबूत बनाएं। इस दृष्टि से भारत के सदाबहार दोस्त सोवियत संघ में शामिल रहे रूस और अन्य चौदह देशों के अलावा, तुर्किये, सीरिया, मिश्र, सऊदी अरब आदि के उसमें मिलने से ही एक वृहत रूस या रूसी परिसंघ का सपना पूरा होगा। लिहाजा इस क्षेत्र में नाटो की बढ़ती दखल से भविष्य में मामले उलझ सकते हैं।

इसी प्रकार भारत को उसके पड़ोसी देशों, यथा- पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, ईरान, इराक, म्यांमार, नेपाल, तिब्बत, भूटान, श्रीलंका, मालदीव के अलावा भी थाईलैंड, कम्बोडिया, सिंगापुर, इंडोनेशिया, मलेशिया आदि देशों को भारत में मिलाने के नैतिक प्रयत्न जारी रखने होंगे, क्योंकि इससे ही एक भारत का सपना पूरा होगा। वहीं, इस क्षेत्र में अमेरिका या चीन के बढ़ती दखल से भविष्य में मामले उलझ सकते हैं।

ठीक इसी तरह से चीन के विस्तार के लिए ताइवान, उत्तर कोरिया, दक्षिण कोरिया, जापान, लाओस, वियतनाम आदि देशों को उसमें मिलाना जरूरी है, जिससे एक चीन का सपना जल्द पूरा होगा। लेकिन यहां पर भी अमेरिका या जापान के बढ़ते दखल से भविष्य में मामले उलझ सकते हैं। इस नजरिए से देखा जाए तो ये तीनों इतने वृहत भौगोलिक पॉलिटिकल ब्लॉक हैं, जिन पर रूस, भारत और चीन की पकड़ मजबूत होने से उनके संयुक्त रणनीतिक एजेंडे को बल मिलेगा। इसलिए यदि इनके एजेंडे में यह विषय शामिल नहीं है तो अविलंब कर लीजिए। इससे तीनों देशों का ही भला होगा। लेकिन एक दूसरे के भौगोलिक, आर्थिक और सैन्य हितों का सम्मान कीजिए, अन्यथा मित्रतापूर्ण भाव कटुता में तब्दील हो जाएगी।

लिहाजा यदि संभव हो तो इसी आधार पर अपनी रणनीतिक समझदारी भी विकसित कर लीजिए और एक-दूसरे के पैर को खींचना बन्द कर दीजिए। यदि आप तीनों ऐसा कर पाए तो नाटो या जी-7 पर एससीओ या ब्रिक्स देश समूह चौबीस घण्टे भारी पड़ेंगे। लेकिन यह काम इतना आसान भी नहीं है। इसके लिए पुतिन, मोदी और जिनपिंग को थोड़ा बहुत त्याग करना होगा, थोड़ा दिल बड़ा करके पड़ोसियों की मानसिकता को बदलना या जीतना होगा, थोड़ा धैर्य पूर्वक कदम बढ़ाना होगा।

वहीं, निकट भविष्य में यदि भारत-रूस के प्रभाववश इजरायल का भी इस त्रिकोण को साथ मिल गया तो यह सोने पर सोहागा वाली स्थिति होगी। इससे अरब व यूरोप के उन हिस्सों पर भी भारत-रूस की पकड़ मजबूत होगी, जिन पर इजरायल की धाक जमेगी। यदि वह यरूशलेम-इंग्लैंड एक्सप्रेस-वे विकसित कर लेता है तो यह उसके लिए बहुत सुकून की बात होगी। यह स्थिति अमेरिका-रूस दोनों के लिए सुखद होगी।

यदि इस नजरिए से नई दिल्ली-मॉस्को एक्सप्रेस-वे और नई दिल्ली-बीजिंग एक्सप्रेस-वे, नई दिल्ली-सिंगापुर एक्सप्रेस-वे और नई दिल्ली-यरूशलेम एक्सप्रेस-वे बना दिया जाए तो इसके और बेहतर परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। इसी तरह से रूस के मास्को-बीजिंग एक्सप्रेस-वे, मास्को-इस्ताम्बुल (तुर्किये) एक्सप्रेस-वे, मॉस्को-बर्लिन एक्सप्रेस-वे, मॉस्को-पेरिस एक्सप्रेस-वे के सपने देखे जाएं तो यह उसके लिए बेहतर हो सकता है।

रही बात चीन की तो उसके लिए बीजिंग-इस्ताम्बुल (तुर्किये) एक्सप्रेस-वे, टोकियो एक्सप्रेस वे-वॉटर वे, चीन-लाओस एक्सप्रेस-वे से उसके कारोबार में भी इजाफा हो सकता है। लेकिन क्या ऐसा करना आसान है? जवाब होगा- शायद हां भी और नहीं भी।

पंचायत और विधानसभा चुनाव के लिए बिछने लगी चौसर

मप्र में भाजपा और कांग्रेस दोनों पार्टियां अभी से चुनावों की तैयारी में जुटी

फलहाल वह जिलाध्यक्षों के ऐलान के बाद उपजे असंतोष को थामने में लगी है। वहीं भाजपा अपने 61 जिलाध्यक्षों के चयन के बाद अब जिला कार्यकारिणी के गठन की प्रक्रिया में लग गई है।

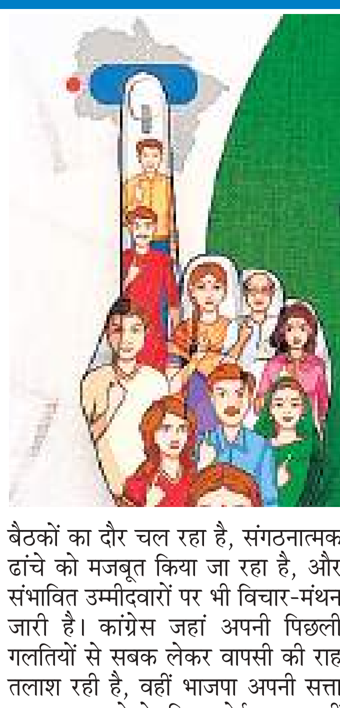

भोपाल। मप्र में भाजपा और कांग्रेस दोनों पार्टियां मिशन मोड में काम कर रही हैं। संगठन का गठन करने और पार्टी को मजबूत करने के साथ ही दोनों पार्टियां एक-दूसरे को घेरने में लगी हुई हैं। दरअसल, दोनों पार्टियों का पूरा फोकस 2027 पंचायत और 2028 विधानसभा चुनावों पर है। भाजपा सेवक बनो, शासक नहीं की नसीहत दे रही है, जबकि कांग्रेस युवाओं को साध रही है। मप्र की राजनीति में फिलहाल कोई बड़ा उलटफेर या सीधा टकराव देखने को नहीं मिल रहा है, लेकिन सतह के नीचे भाजपा और कांग्रेस आगामी चुनावी महासंग्राम के लिए रणनीतियां बनाने में जुट गए हैं। भाजपा और कांग्रेस, दोनों ही जानते हैं कि 2027 के पंचायत चुनाव और 2028 के विधानसभा चुनाव ही असली कसौटी होंगे। पंचायत चुनाव जहां जमीनी स्तर पर पकड़ और संगठन की मजबूती का लिटमस टेस्ट होंगे। वहीं विधानसभा चुनाव सीधे सत्ता की कुंजी सौंपेंगे। यही वजह है कि दोनों खेमों में रणनीतिक स्तर पर गतिविधियां तेज हैं। बैठकों का दौर चल रहा है, संगठनात्मक ढांचे को मजबूत किया जा रहा है, और संभावित उम्मीदवारों पर भी विचार-मंथन जारी है। कांग्रेस जहां अपनी पिछली गलतियों से सबक लेकर वापसी की राह तलाश रही है, वहीं भाजपा अपनी सत्ता बरकरार रखने के लिए कोई कसर नहीं छोड ?ा चाहती। जातिगत समीकरण, क्षेत्रीय प्रभाव, और स्थानीय मुद्दों पर गहन विश्लेषण किया जा रहा है। नए चेहरों को आगे लाने और पुराने धुरंधरों को सक्रिय करने पर भी जोर दिया जा रहा है। दोनों पार्टियों का संगठन पर फोकस गौरतलब है कि विधानसभा चुनावों में अभी तीन साल का वक्त है पर प्रदेश का सियासी पारा अभी से गर्मा गया है। प्रदेश के दोनों प्रमुख राजनीतिक दल भाजपा और कांग्रेस अभी से अपने संगठनों को कसने में लग गए हैं। भाजपा जहां तीन महीने से अधिक समय पहले ही अपने सभी जिलाध्यक्षों का ऐलान कर चुकी हैं वहीं अब कांग्रेस ने भी अपने सभी 71 संगठनात्मक जिलों के अध्यक्ष घोषित कर दिए हैं। फिलहाल वह जिलाध्यक्षों के ऐलान के बाद उपजे असंतोष को थामने में लगी है। वहीं भाजपा अपने 61 जिलाध्यक्षों के चयन के बाद अब जिला कार्यकारिणी के गठन की प्रक्रिया में लग गई है। पिछले विधानसभा चुनाव और उसके बाद हुए लोकसभा चुनाव में भाजपा से बुरी तरह पराजित होने के बाद कांग्रेस ने देश के साथ प्रदेश में भी संगठन पर ध्यान दिया है और इसे संगठन सृजन का नाम दिया गया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी खुद इस अभियान की मानीटरिंग कर रहे हैं। कांग्रेस अब इस सच को गहराई से समझ चकी है कि जब तक वह अपने संगठन को मजबूत नहीं करती तब तक वह कैडरबैस भाजपा को बड़ी चुनौती पेश नहीं कर पाएगी। हालांकि छह साल पहले प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बनने के बाद पार्टी के दिग्गज नेता कमलनाथ ने भी संगठन को मजबूत करने करने की दिशा में कदम उठाए थे। वे अक्सर कहा करते थे कि भाजपा की ताकत उसका संगठन है अगर उससे मुकाबिल होना है तो संगठन को बूथ लेबल तक मजबूत करना होगा। इसके बाद से कांग्रेस में संगठन को कसने के प्रयास तो हुए पर किसी न किसी कारण से वे परवान नहीं चढ़ सके। अब एक बार फिर कांग्रेस ने संगठन को नए सिरे से गढने का प्रयास किया है।

दोनों पार्टियों का फिलहाल जिलों पर फोकस है

पहली बार कांग्रेस में बड़े नेताओं को जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है और पार्टी को क्षेत्रीय क्षत्रपों और पावाद से बाहर निकालने का प्रयास किया गया है। इस बार जयवर्धन सिंह, ओंकार सिंह मरकाम, महेश परमार जैसे विधायकों को पार्टी ने जिलाध्यक्ष का पद देकर उन्हें विधानसभा चुनाव के लिए पूरे जिले को संभालने की जिम्मेवारी दी है। इसी तरह करीब एक दर्जन पूर्व विधायकों को भी जिलाध्यक्ष बनाकर जिले में संगठन को मजबूत करने का प्रयास किया गया है। नए जिलाध्यक्षों को पार्टी का वोट शेयर बढ़ाने की जिम्मेवारी सौंपी है। वहीं सत्ता के रथ पर सवार भाजपा, कांग्रेस के संगठनात्मक कार्यक्रमों पर पैनी नजर बनाए हुए है।

जिलों की कार्यकारिणी पर दिल्ली ने भी बनाए रखी है नजर

स्वदेशी, दुग्ध उत्पादन बढ? समेत संगठन ऐसे कार्यक्रमों को हाथ में ले रहा है जो सीधे जनता पर असर करते है। पार्टी ने पहली बार जिलों में कार्यकारिणी के गठन के पहले प्रदेश से पर्यवेक्षकों को जिलों में भेजा है। ये पर्यवेक्षक जिलों का दौरा कर लौट आए हैं और अब इनके दिए हुए नामों पर विचार हो रहा है। यह भी पहली बार हो रहा है कि जिलों की कार्यकारिणी पर दिल्ली भी नजर बनाए हुए है। भाजपा चुनाव के पहले हमेशा की तरह संगठन को पूरी तरह चाक-चौबंद करना चाहती है। बूथस्तर तक के कार्यक्रम अभी से तैयार हो रहे हैं ताकि कार्यकताओं को काम मिलता रहे।

राज्य की पुरातात्विक धरोहर को सहेजने के लिए किया जा रहा है नवाचार

इसके अंतर्गत पुरातात्विक महत्व की कलाकृति को स्टोन पाउडर से बनाया जा रहा है और इस पर स्थानीय सागौन लकड़ी के साथ प्रयोग भी किया जा रहा है।

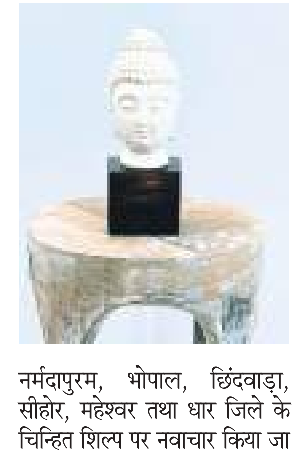

भोपाल। राज्य की पुरातात्विक महत्व की कला को सुदृढ़ करने और सतत बाजार की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से नर्मदापुरम में कला और शिल्प पर आधारित स्टार्टअप के लिए राफ्ट एंड रीजन ने तसल्ली ब्रांड के अंतर्गत नवाचार प्रारंभ किया है। इसमें नर्मदापुरम, भोपाल, छिंदवाड़ा, सीहोर, महेश्वर तथा धार जिले के चिन्हित शिल्प पर नवाचार किया जा रहा है। इसके अंतर्गत पुरातात्विक महत्व की कलाकृति को स्टोन पाउडर से बनाया जा रहा है और इस पर स्थानीय सागौन लकड़ी के साथ प्रयोग भी किया जा रहा है। यह कार्य हाथकरघा एवं हस्तशिल्प संचालनालय भोपाल, पुरातत्व संचालनालय भोपाल एवं पाटर्स द स्टूडियो नर्मदापुरम के सहयोग से किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि स्टार्टअप की पहली डिलीवरी बॉउर्नमाउथ, यूके में की गई है। इसे अमेजन ग्लोबल पर भी खरीदा जा सकता है। स्टार्टअप ने निर्यात लाइसेंस भी प्राप्त कर लिया है।

भोपाल रियासत की शत्रु संपत्तियों पर कार्रवाई की जाए

खरीदी-बिक्री, नामांतरण और हस्तांतरण पर रोक की मांग की

भोपाल। भोपाल क्रिएशन एंड प्रोजेक्शन डॉटकॉम के संचालक एवं समाजसेवी अमिताभ अग्निहोत्री ने भोपाल रियासत की विवादित शत्रु संपत्तियों और मर्जर संपत्तियों पर कार्रवाई को लेकर 75 पृष्ठीय ज्ञापन भोपाल कलेक्टर को सौंपा। इसमें दस्तावेजों और सुझावों सहित इन संपत्तियों की खरीदी-बिक्री, नामांतरण और हस्तांतरण पर रोक लगाने की मांग की गई है। अग्निहोत्री ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि उनके ज्ञापन पर राष्ट्रपति कार्यालय ने 1 अगस्त 2025 को मुख्य सचिव, म.प्र. शासन को कार्यवाही का निर्देश दिया। इसके बाद मुख्य सचिव ने 4 अगस्त को राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव को पत्र भेजकर जांच करने को कहा। वहीं प्रधानमंत्री कार्यालय ने भी 12 अगस्त को इस ज्ञापन पर कार्रवाई करते हुए सीएम हेल्पलाइन के संचालक को पत्र भेजा है।

ज्ञापन में तत्कालीन प्रमुख सचिव माला श्रीवास्तव की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा गया कि ग्राम धरमपुरी (श्यामला हिल्स) के 1933, 1949 और 1959 के राजस्व रिकॉर्ड में नवाब परिवार की कोई निजी संपत्ति दर्ज नहीं थी। इसके बावजूद वहां नवाब परिवार द्वारा संपत्ति बेचे जाने और कब्जे का मुद्दा उठाया गया। रिपोर्ट के आधार पर 13 गांवों और भोपाल शहर में नवाब की संपत्तियों पर रोक लगाने की भी मांग की गई है। उन्होंने यह भी बताया कि मर्जर एग्रीमेंट के अनुसार नवाब को केवल 1395 एकड़ भूमि व्यक्तिगत संपत्ति के रूप में दी गई थी, लेकिन राजस्व रिकॉर्ड में 1984.13 एकड़ भूमि उनके नाम दर्ज है। इस विसंगति को राज्य शासन की संपत्ति मानते हुए राजसात करने की मांग की गई। हलालपुरा, बोरबन, लाऊखेड़ी और शहर भोपाल की सैकड़ों एकड़ भूमि को शत्रु संपत्ति घोषित करने का भी निवेदन किया गया।

उन्होंने केंद्र सरकार के उस पत्र का हवाला भी दिया जिसमें नवाब की पुत्री आबिदा सुल्तान (पाकिस्तानी नागरिक) को उत्तराधिकारी मानकर उनकी संपत्तियों को शत्रु संपत्ति घोषित किया गया है। इसके बावजूद राज्य शासन ने अब तक कार्रवाई नहीं की।

ज्ञापन में कहा गया कि छह महीने से लगातार प्रस्तुत किए जा रहे ज्ञापनों के बावजूद शासन-प्रशासन की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। उन्होंने कलेक्टर से 15 दिन में कार्रवाई करने और विवादित संपत्तियों की खरीदी-बिक्री व नामांतरण पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है।

स्मार्ट मीटर लगाने वाली कम्पनी के इंजीनियर पाकिस्तानी

भोपाल। पूर्व नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस विधायक अजय सिंह ने कहा है कि मध्य प्रदेश के घरों में बिजली के स्मार्ट मीटर लगाने वाली कम्पनी के अधिकारी, इंजीनियर पाकिस्तानी मूल के है इसलिए ठेके के बहाने नागरिकों का डाटा एकत्र कर उसका दुरूपयोग होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। पूर्व नेता प्रतिपक्ष कांग्रेस विधायक अजय सिंह ने मध्य प्रदेश के घरों में बिजली के स्मार्ट मीटर लगाने वाली सउदी अरब की अल्फानार इण्डिया कम्पनी की कार्यप्रणाली सवाल खड़े किए हैं। उन्होने सीएम डॉ. मोहन यादव से कंपनी की जांच करने और ठेका निरस्त करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि चूंकि कम्पनी के आला अधिकारी, इंजीनियर और कर्मचारी पाकिस्तानी मूल के है इसलिए ठेके के बहाने नागरिकों का डाटा एकत्र कर उसका दुरूपयोग होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

श्वेत पत्र जनता तक पहुंचाना चाहिए

उन्होने कहा है कि क्या प्रदेश सरकार इस बात से आश्वस्त है कि कम्पनी को ठेका देना देशहित में है, इसमें कोई पाकिस्तानी कनेक्शन तो नही है और यहां के नागरिकों का डाटा विदेशों में नही भेजा जायेगा। क्या ठेका देने के पहले मुख्यमंत्री को विश्वास में लिया गया था। यदि ऐसा है तो सरकार को यह सब बातें श्वेत पत्र के माध्यम से प्रदेश की जनता तक पहुंचाना चाहिए। राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा अजय सिंह ने कहा कि शक इसलिए भी और गहरा हो गया है क्योंकि कम्पनी ने सरकारी बोली से चार हजार करोड़ रुपए कम में ठेका कैसे और क्यों लिया? सरकारी बोली 15 करोड़ 70 लाख 26 हजार रुपए की थी। जबकि कम्पनी ने 11 करोड़ 63 लाख 40 हजार में ही ठेका ले लिया।

एम्स भोपाल में फामाकीविजिलेंस पर सीएमईः उभरते उपचारों के दौर में मरीजों की सुरक्षा पर जोर

भोपाल। एम्स भोपाल ने मरीजों की सुरक्षा और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं को और सुदृढ़ करने के लिए फामाकीविजिलेंसः उभरते उपचारों के दौर में मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित करना विषय पर एक सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम फामाकोलॉजी विभाग द्वारा आयोजित किया गया, जो कि फामाकीविजिलेंस प्रोग्राम ऑफ इंडिया के अंतर्गत मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के लिए एडवर्स ड्रग रिएक्शन मॉनिटरिंग सेंटर और रीजनल ट्रेनिंग सेंटर के रूप में कार्य करता है।

इस अवसर पर कार्यक्रम का उद्घाटन एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) माधवानंद कर ने किया। उन्होंने मरीजों की सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए प्रतिकूल औषधि प्रतिक्रियाओं की रिपोर्टिंग और स्वास्थ्य पेशेवरों के निरंतर प्रशिक्षण की आवश्यकता पर बल दिया। सीएमई में 120 से अधिक स्वास्थ्य पेशेवरों ने भाग लिया, जिनमें डॉक्टर, फार्मासिस्ट, नर्स, दंत चिकित्सक एवं विभिन्न मेडिकल, आयुष और फामेर्सी कॉलेजों, डेंटल कॉलेजों तथा भोपाल और विदिशा के एनएबीएच मान्यता प्राप्त अस्पतालों के स्नातकोत्तर छात्र शामिल थे। यह कार्यक्रम फामाकीविजिलेंस प्रोग्राम ऑफ इंडिया द्वारा प्रायोजित था। प्रतिकूल औषधि प्रतिक्रियाओं की सक्रिय रिपोर्टिंग करने वाले स्वास्थ्य पेशेवरों को पेशेंट सेफ्टी चैंपियन के रूप में सम्मानित किया गया।

साथ ही, एम्स भोपाल के त्वचा रोग विभाग को पेशेंट सेफ्टी चैंपियन ट्रॉफीह्रप्रदान की गई। सीएमई में विभिन्न विषयों पर सत्र आयोजित किए गए, जिनमें त्वचा संबंधी प्रतिकूल औषधि प्रतिक्रियाओं की पहचान एवं प्रबंधन, फामाकीविजिलेंस प्रोग्राम ऑफ इंडिया की भूमिका एवं कार्यप्रणाली तथा प्रतिकूल औषधि प्रतिक्रिया रिपोर्टिंग की विधियां शामिल रहीं।

कार्यक्रम में प्रतिभागियों की सहभागिता बढ़ाने के लिए एक क्विज और एम्स भोपाल में किए गए फामाकीविजिलेंस कार्यों की प्रस्तुति भी आयोजित की गई। इस प्रकार, एम्स भोपाल लगातार ऐसे प्रयासों के माध्यम से फामाकीविजिलेंस की मजबूत संस्कृति विकसित करने और बदलते उपचारों के दौर में मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

सार समाचार

रहवासियों की सेहत सुधारने शहर में बनाये जाएंगे ओपन जिम

भोपाल। रहवासियों की सेहत सुधारने नगर निगम शहर में ओपन जिम बनाने जा रहा है। इसके लिये 31 लाख रुपए के टेंडर जारी किये गये हैं। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं कि यह जिम किन स्थानों में शुरू की जाएंगी। बावजूद इसके माना जा रहा है कि महापौर और पार्षदों की मांग के आधार पर इनकी स्थापना की जाएगी। इधर टेंडर जारी होने के बाद उम्मीद लगाई जा रही है कि जल्द ही मशीनों की खरीदी शुरू हो जाएगी। हालांकि 2018 में भी नगर निगम में शहर के कई पार्कों में ओपन जिम स्थापित किए थे लेकिन अब उनकी हालत काफी खराब हो गई है। अब नए जिम शुरू होने से लोगों को सेहत सुधारने का मौका मिलेगा। इसके लिये पांच प्रकार की 125 नई मशीनों की खरीददारी की जा रही है। जिसमें बॉडी शेपर (ट्विस्टर), लेग और थाई एक्सेसराइजर, एयर स्विंग, लेग प्रेस और साइकिल, प्रत्येक की 25-25 मशीनें शामिल हैं। 80 फीसदी पुराने जिमों की हालत खराब बीएमसी अधिकारियों के अनुसार, 2018 में शहर भर के पार्कों में नागरिकों को सुबह और शाम की सैर के दौरान व्यायाम करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए ओपन जिम स्थापित किए गए थे। शुरूआत में तो इस पहल का अच्छा स्वागत हुआ, लेकिन निगम इनके उपकरणों का रखरखाव ठीक से नहीं कर पाया। सुरक्षा के अभाव में कई मशीनें खराब हो गईं, जंग लग गईं या चोरी हो गईं। शहर के लगभग 80ज ओपन जिम बंद पड़े हैं और लोहे के उपकरण कबाड़ में तब्दील हो गए हैं।

प्रदेश के हर जिले में खुलेंगे प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के कार्यालय

भोपाल। प्रदेश के प्रत्येक जिले में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीसीबी) के कार्यालय खोले जाएंगे। पर्यावरण संरक्षण और जल-वायु प्रदूषण पर प्रभावी रोक के लिए राज्य सरकार ने यह निर्णय लिया है। इन दफ्तरों से ही जिला स्तर पर प्रदूषण की नियमित मानिटरिंग भी की जाएगी। इसके साथ ही प्रदेशभर में सिंगल यूज प्लास्टिक पर कड़ाई से रोक लगाने की भी तैयारी की जा रही है। दरअसल इस प्रक्रिया की शुरूआत कटनी, गुना और देवास जिलों से हो चुकी है, जहां पहले क्षेत्रीय कार्यालय थे, जिन्हें अब जिला कार्यालयों में बदला जा रहा है। शिकागो यूनिवर्सिटी के एनर्जी पालिसी इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट के अनुसार 2023 में वायु प्रदूषण का स्तर तय सीमा से आठ गुना अधिक पाया गया था। इसी को देखते हुए जिलों में पीसीबी के कार्यालय खोलने का निर्णय लिया गया है। बता दें कि प्रदेश में अभी केवल संभागीय मुख्यालयों और औद्योगिक शहरों में ही प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के दफ्तर और मानिटरिंग यूनिट हैं।

तिरंगा यात्रा निकालेंगे सरकार से नाराज कोटवार

भोपाल। सरकार से नाराज प्रदेश के कोटवार तिरंगा यात्रा निकालेंगे। इनका जमावड़ा 4 सितंबर को होगा। जहां यह सेंट्रल लाइब्रेरी मैदान से जवाहर चौक तक पैदल मार्च कर अपनी नाराजगी जाएंगे। बाद में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को संबोधित मांग पत्र भी सौंपेंगे। इसके पहले यह सभी जिलों में प्रदर्शन कर अपनी मांगों से सरकार व प्रशासन को अवगत करा चुके हैं। आजाद कोटवार कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष अरवीर यादव ने बताया कि राजस्व विभाग के रवैये से प्रदेश भर के कोटवारों में नाराजगी है। क्योंकि भिंड जिले की अटेर तहसील में बिना कारण बताए जहां 31 कोटवारों को तहसीलदार ने हटा दिया है। इसके साथ ही दूसरी तहसील से 6 कोटवारों को निकालकर उनकी सेवा भूमि पर कब्जा कर जमा लिया गया है। जबकि खंडवा जिले की पंधाना तहसील में एक कोटवार की एक अधिकारी के बंगले पर संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई और न तो उसकी जांच कराई गई और नही परिवार को मुआवजा दिया गया। इतना ही नहीं सिहोर जिले में एक बाहुबली नेता ने मूल कोटवार को हटाकर अपने घरेलू नौकर को नियुक्त करवा दिया। जिससे प्रदेश भर के कोटवारों में नाराजगी है।

वर्तमान वित्तीय वर्ष के सम्पत्तिकर में 6 प्रतिशत की विशेष छूट का लाभ लेने हेतु मात्र 1 दिन शेष

रविवार को अवकाश के दिन भी खुले रहेंगे निगम के जोन एवं वार्ड कार्यालय

निगम प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वह अब इन्तजार न करें और रविवार को अपने सम्पत्तिकर सहित अन्य करों

भोपाल। नगर निगम द्वारा वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 के सम्पत्तिकर में दी जा रही 06 प्रतिशत की छूट का अब केवल एक ही दिन शेष है। निगम प्रशासन ने करदाताओं की सुविधा के दृष्टिगत रविवार को अवकाश के दिन सभी जोन एवं वार्ड कार्यालय खुले रखने तथा वार्ड क्षेत्रों में राजस्व वसूली शिविर के आयोजन की सुविधा भी प्रदान की है। निगम प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वह अब इन्तजार न करें और रविवार को अपने सम्पत्तिकर सहित अन्य करों व शुल्कों का भुगतान कर सम्पत्तिकर में 06 प्रतिशत की छूट का लाभ उठाएं। निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन ने निगम के राजस्व अमले को निर्देशित किया है कि वह अधिक से अधिक करदाताओं को छूट का लाभ पहुंचाने हेतु करदाताओं को संपत्तिकर में दी जा रही 06 प्रतिशत की विशेष छूट की जानकारी देकर उन्हें रविवार को संपत्तिकर जमा कराने के लिए प्रेरित करें और वार्ड कार्यालय अथवा राजस्व वसूली शिविरों में आने वाले करदाताओं को करों की अदायगी में किसी प्रकार की कठिनाई न आने दें। निगम प्रशासन ने करदाताओं की सुविधा के दृष्टिगत रविवार को अवकाश के दिन सभी जोन एवं वार्ड कार्यालय खुले रखने तथा वार्ड क्षेत्रों में राजस्व वसूली शिविर के आयोजन की सुविधा भी प्रदान की है।

स्वदेशी सुरक्षा एवं स्वावलंबन अभियान

भोपाल। महिला एवं बाल विकास मंत्री कु. निर्मला भूरिया व महापौर श्रीमती मालती राय ने स्वदेशी सुरक्षा एवं स्वावलंबन अभियान के तहत अखिल भारतीय महिला शोध, प्रशिक्षण एवं विचार वर्ग का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। राजधानी के एनआईटीटीआर के सभागार में आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर महापौर श्रीमती मालती राय ने विभिन्न स्टॉलों एवं उन पर प्रदर्शित उत्पादों का अवलोकन भी किया। इस अवसर पर स्वदेशी जागरण मंच के राष्ट्रीय सहसंगठक सतीश कुमार, अखिल भारतीय महिला प्रमुख श्रीमती अर्चना मीणा, प्रोफेसर चंद्रचारू त्रिपाठी सहित बड़ी संख्या में प्रशिक्षण एवं विचार वर्ग की सहभागी व गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

धार्मिक पर्यटन के लिए सर्वाधिक पर्यटक मध्यप्रदेश आए : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव से ग्वालियर क्षेत्र में पर्यटन विकास को मिलेगी नई गति

पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए शनिवार को ग्वालियर में रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव आयोजित की गई है। इससे पहले रीवा और उज्जैन में टूरिज्म को लेकर ऐसी ही कॉन्क्लेव आयोजित की जा चुकी हैं।

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में स्वदेशी और आत्मनिर्भर भारत अभियान चल रहा है। राज्य सरकार भी इस अभियान में हरसंभव सहयोग कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने पर्यटन विकास को रोजगार से जोड़ा है। पर्यटन बढ़ता है, तो लोगों को रोजगार के नए-नए अवसर मिलते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि देश में पर्यटन क्षेत्र बहुत तेजी से विकास कर रहा है। इसमें मध्यप्रदेश भी पीछे नहीं है। गत वर्ष धार्मिक पर्यटन के लिए देश में सर्वाधिक पर्यटकों ने मध्यप्रदेश को ही चुना। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को जारी संदेश में कहा कि हमारी सरकार सभी क्षेत्रों को समान रूप से बढ़ावा दे रही है। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए शनिवार को ग्वालियर में रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव आयोजित की गई है। इससे पहले रीवा और उज्जैन में टूरिज्म को लेकर ऐसी ही कॉन्क्लेव आयोजित की जा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में समृद्ध वन क्षेत्र और वन्य जीव पर्यटन की अपार संभावनाएं विद्यमान हैं। कूनो में देश का पहला राष्ट्रीय चीता अभ्यारण्य है। साथ ही चंबल नदी के आसपास घड़ियाल अभ्यारण्य भी है। कछुओं की लुप्त प्रजातियों का भी संरक्षण मध्यप्रदेश में किया जा रहा है। माधव नेशनल टाइगर पार्क को इसी साल लोकार्पित किया गया है। पर्यटन विकास के जरिए प्रदेश का भविष्य और उज्ज्वल और समृद्ध हो, सभी युवाओं को रोजगार मिले, हमारी सरकार इसी भावना से काम कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में ऐतिहासिक और पुरातात्विक महत्व के कई स्थान हैं। देश में कुल 66 स्थान विश्व धरोहर स्थल के रूप में चिन्हित किए गए हैं, इनमें से 27 मध्यप्रदेश में स्थित हैं। यह राज्य के लिए बेहद गौरव की बात है। इस कॉन्क्लेव के जरिए ग्वालियर एवं चंबल अंचल में पर्यटन विकास को एक नई गति मिलेगी।

संक्षिप्त समाचार

सांसदों की वेतन बढ़ोतरी के खिलाफ 20 हजार छात्रों का प्रदर्शन

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशियाई संसद सदस्यों के वेतन-भत्तों में बढ़ोतरी के खिलाफ राजधानी जकार्ता में इन दिनों हजारों छात्र सड़कों पर हैं, जिनकी तादाद करीब 20 हजार है। प्रदर्शनरत छात्र संसद भवन तक पहुंचने की कोशिश कर रहे थे। ऐसे में पुलिस ने पानी की बौछार की और कई राउंड आंसू गैस के गोले दागे। इससे कई छात्र घायल हो गए।

ब्राजील में आपराधिक नेटवर्क से जुटी 22 करोड़ अमेरिकी डॉलर की संपत्ति जब्त

ब्रासीलिया, एजेंसी। ब्राजील ने बृहस्पतिवार (स्थानीय समयानुसार) को देशभर में चलाए गए एक बड़े अभियान के तहत 1.2 अरब रियाल (करीब 22 करोड़ अमेरिकी डॉलर) की संपत्ति जब्त की है। यह कार्रवाई ईंधन क्षेत्र और निवेश फंड्स के जरिये चलाए जा रहे एक विशाल मनी लॉन्ड्रिंग नेटवर्क से जुड़ी हुई थी। अधिकारियों ने 14 जगहों पर तलाशी और जब्ती वारंट तथा 14 गिरफ्तारी वारंट जारी किए, जिनमें से पांच लोगों को हिरासत में लिया गया। न्याय मंत्री रिकार्डो लेवानडोव्स्की ने इसे देश के इतिहास में संगठित अपराध के खिलाफ सबसे बड़ी कार्रवाइयों में से एक बताया। हालांकि, संघीय अधिकारियों ने किसी भी व्यक्ति या कंपनी का नाम नहीं बताया, क्योंकि जांच अभी गुप्त और जारी है। लेकिन साओ पाउलो के अभियोजकों ने कहा कि यह नेटवर्क ब्राजील के कुख्यात आपराधिक गिरोह फर्स्ट कैपिटल कमांड से जुड़ा हुआ है।

म्यांमार में केएनयू आतंकवादी संगठन घोषित

नाएप्यीडॉ, एजेंसी। म्यांमार की सैन्य सरकार ने बृहस्पतिवार को आधिकारिक तौर पर करेन नेशनल यूनियन (केएनयू) को आतंकवादी संगठन घोषित कर दिया। यह संगठन देश का एक बड़ा जातीय विद्रोही समूह है। अब इसके साथ किसी भी तरह की गतिविधि करना, यहां तक कि तीसरे पक्ष द्वारा संपर्क करना भी गैरकानूनी होगा। करेन नेशनल यूनियन देश के दक्षिण-पूर्वी हिस्से में सक्रिय है और 1948 में ब्रिटेन से स्वतंत्रता मिलने के बाद से लगातार अधिक स्वायत्तता के लिए लड़ाई लड़ रहा है। फरवरी 2021 में आंग सान सू की की निर्वाचित सरकार को अपदस्थ कर सेना ने सत्ता अपने हाथ में ले ली थी। तभी से केएनयू और सेना के बीच लगातार और तीखी लड़ाई हो रही है। यह घोषणा ऐसे समय आई है, जब महज चार महीने बाद 28 दिसंबर से सेना-नियोजित चुनाव होने हैं। केएनयू पहले ही एलान कर चुका है कि वह इन चुनावों को बाधित करेगा। अब आतंकवादी घोषित किए जाने के बाद इसके लिए किसी भी तरह की गतिविधि करना, चाहे वह सिर्फ प्रचार या जानकारी फैलाने का शांतिपूर्ण तरीका ही क्यों न हो, गैरकानूनी हो गया है।

ट्रंप प्रशासन ने सैन्य अड्डे से आव्रजन अभियान में मदद मांगी

वाशिंगटन, एजेंसी। ट्रंप प्रशासन ने इस हफ्ते शिकागो के बाहर स्थित एक सैन्य अड्डे से आव्रजन अभियान में सहयोग मांगा है। यह कदम इस बात का संकेत देता है कि देश के तीसरे सबसे बड़े शहर में कड़ी कार्रवाई कैसी दिख सकती है। नेवल स्टेशन ग्रेट लेक्स के प्रवक्ता मैट मोगल ने बुधवार को बताया कि होमलैंड सुरक्षा विभाग ने बेस से सीमित सहयोग की मांग की है, जिसमें सुविधाएं, ढांचा और अन्य लॉजिस्टिक मदद शामिल है। यह अड्डा शिकागो से करीब 56 किलोमीटर (35 मील) उत्तर में स्थित है। यह अनुरोध उस समय आया है, जब रिपब्लिकन प्रशासन ने कुछ हफ्ते पहले वाशिंगटन डीसी में अपराध, इमिग्रेशन और बेघर लोगों की समस्या से निपटने के लिए नेशनल गार्ड की तैनाती की थी। दो महीने पहले इसी तरह सैनिकों को लॉस एंजिलिस भेजा गया था। हालांकि शिकागो के लिए प्रशासन की योजनाओं के बारे में ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन शहर के नेता कई संभावनाओं के लिए तैयार हो रहे हैं- जैसे सैनिकों को इमिग्रेशन गिरफ्तारी में लगाना या फिर सड़कों पर गश्त कराना आदि। पुलिस अधीक्षक लैरी स्नेलिंग ने कहा, हम नहीं चाहते कि किसी तरह का डर फैलाया जाए।

रूस ने यूक्रेन पर दागीं 31 मिसाइलें और 598 ड्रोन

कीव, एजेंसी। यूक्रेन की वायु सेना के अनुसार, रूस ने पूरे देश में 598 ड्रोन और विभिन्न प्रकार की 31 मिसाइलें दागीं। कीव शहर प्रशासन के प्रमुख तैमूर त्काचेंको ने बताया कि मृतकों में तीन नाबालिग शामिल हैं। मृतकों की संख्या बढ़ सकती है, क्योंकि बचाव दल मलबे में दबे लोगों को निकालने का प्रयास कर रहा है। त्काचेंको ने कहा कि रूस ने वायु रक्षा प्रणाली को चकमा देने में सक्षम ड्रोन, क्रूज मिसाइल और बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं।

हमले पर दुनियाभर के लोगों से प्रतिक्रिया की उम्मीद-जेलेंस्की : यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, रूस बातचीत की मेज के बजाय बैलिस्टिक हथियारों को चुनता है। हम दुनिया के उन सभी लोगों से प्रतिक्रिया की उम्मीद करते हैं जिन्होंने शांति की अपील की थी, लेकिन सैद्धांतिक रुख अपनाने के बजाय अक्सर चुप रहते हैं।

दो मीडिया संस्थानों के कार्यालय पर भी हमले : कीव में यूरोपीय संघ मिशन, एक ब्रिटिश सरकार के सांस्कृतिक भवन के साथ-साथ दो मीडिया संस्थानों के कार्यालय भी रूसी हमले में क्षतिग्रस्त हो गए हैं। रूस की इस हरकत पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं। एएफपी के पत्रकारों ने बचावकर्मियों को रिहायशी इलाकों और अपार्टमेंट ब्लॉक से कई मृतकों के शरीर को बैग में भरकर ले जाते देखा, जब वे सुलगते मलबे में खोजबीन अभियान चला रहे थे।

चारों ओर उड़ रहे थे कांच : एक हमले के पास पार्किंग में मौजूद गैलिना शचरबक ने एएफपी को बताया, हमले के बाद चारों ओर काँच उड़ रहे थे... बम फटने पर हम चीख रहे थे। यूक्रेन की वायु सेना ने कहा कि मॉस्को ने 629 ड्रोन और मिसाइलें दागीं। कीव द्वारा उपलब्ध आंकड़ों के विश्लेषण के अनुसार, यह युद्ध का दूसरा सबसे बड़ा हमला है।

563 ड्रोन और 26 मिसाइलें रोकने का दावा : यूक्रेन की वायुसेना ने एक बयान में कहा कि रूस ने रात भर में 598 लड़ाकू और जासूसी ड्रोन भेजे और 31 मिसाइलें भी दागी। यूक्रेनी एयर डिफेंस ने इनमें से 563 ड्रोन और 26 मिसाइलों को रोक लिया। ये 13 स्थानों पर जमीन से टकराईं और 26 स्थानों पर इनका मलबा गिरा। कीव सिटी मिलिट्री एडमिनिस्ट्रेशन के प्रमुख तैमूर तकाचेंको के अनुसार, मारे गए लोगों में 17 और 14 साल के दो बच्चे भी शामिल हैं।

किंजल हाइपरसोनिक एरोबैलिस्टिक मिसाइलों का इस्तेमाल : यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमीर जेलेंस्की ने भी सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि रूस ने हमारे शहरों और समुदायों के खिलाफ एक और बड़ा हमला किया है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने भी इसकी पुष्टि की है और कहा है कि रूसी सेना ने यूक्रेन के सैन्य-औद्योगिक उद्यमों और हवाई अड्डों पर जोरदार हमले को अंजाम दिया है। मंत्रालय ने अपने बयान में कहा, इस हमले में लंबी दूरी से सटीक निशाना लगाने वाले हवाई हथियार, किंजल हाइपरसोनिक एरोबैलिस्टिक मिसाइलें और लड़ाकू ड्रोन शामिल थे। मंत्रालय ने कहा, हमलावर अभियान सफल रहा और इसने अपने लक्ष्यों को हासिल किया।

ट्रंप की मुहिम को झटका : यूक्रेनी अधिकारियों ने बताया कि रूसी मिसाइलों और ड्रोनों ने राजधानी कीव में अपार्टमेंट ब्लॉकों को तहस-नहस कर दिया, जिसमें चार बच्चों सहित कम से कम 23 लोग मारे गए। ये हमले ऐसे वक्त पर हुए हैं, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सीजफायर से लेकर शांति समझौते तक की बातचीत की कोशिशों में जुटे हैं। इससे पहले अमेरिका ने चेतावनी दी थी कि ऐसे हमले शांति प्रयासों को कमजोर कर सकते हैं।

सीमा से जुड़े भूमि बंदरगाहों को बंद करने पर आया बांग्लादेश

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की यूनुस सरकार ने गुरुवार को जनता का पैसा बचाने के नाम पर तीन भूमि बंदरगाहों को बंद करने का फैसला लिया है। इसके अलावा एक और बंदरगाह, जिसका निर्माण कार्य चल रहा था उसे भी रोक दिया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इन बंदरगाहों पर कोई भी व्यापारिक गतिविधि नहीं हो रही थी, इसलिए खर्च में कटौती करने के लिए और करदाताओं पर से बोझ कम करने के लिए इन्हें बंद करने का फैसला लिया गया है। गौरतलब है कि यह भूमि बंदरगाह भारत की सीमा पर स्थित हैं। मई और जून में भारत ने बांग्लादेश को दी जाने वाली ट्रांस शिपमेंट सेवा को निरस्त कर दिया था और व्यापार के लिए केवल कोलकाता और मुंबई के बंदरगाह का इस्तेमाल करने के लिए कहा था।

यूनुस सरकार के मुख्य प्रेस सलाहकार शफीकुल आलम ने कहा कि बंदरगाहों को बंद करने का यह निर्णय प्रमुख सलाहकार मोहम्मद यूनुस की अध्यक्षता में हुई एक बैठक में लिया गया।

बंद किए जाने वाले बंदरगाहों में नीलफामारी में चिलाहाटी बंदरगाह शामिल है, जो कि पश्चिम बंगाल के हल्दीबाड़ी से जुडा हुआ है। इसके अलावा चुआडांगा में दौलतगंज भूमि बंदरगाह है, जो पश्चिम बंगाल के मझदिया से जुडा है। इसके अलावा रंगमती में तेगामुख भूमि बंदरगाह है जो मिजोरम के देमागरी से जुड़ा हुआ है।

बांग्लादेश सरकार के मुताबिक इसके अलावा त्रिपुरा के खोवाई से जुड़े हबीगंज में बल्ला भूमि बंदरगाह पर का भी संचालन बंद कर दिया गया है। इस बंदरगाह पर अभी भारत की तरफ से काम पूरा नहीं किया गया है। आलम ने कहा, सीमावर्ती क्षेत्रों के राजनेता कभी-कभी राजनीतिक कारणों से इन बंदरगाहों को खोलने और संचालित करने का दबाव डालते हैं लेकिन वास्तव में इन सुविधाओं के माध्यम से कोई व्यापार नहीं हुआ है और इनसे सरकार की लागत बढ़ रही है। गौरतलब है कि यह चाल भूमि बंदरगाह उन आठ बंदरगाहों में शामिल हैं, जिन्हें बांग्लादेश ने निष्क्रिय घोषित कर दिया है।

आपको बता दें बांग्लादेश की तरफ से जिन भूमि बंदरगाहों को बंद करने का ऐलान किया गया है। वहां से मुख्य रूप से भारत के साथ व्यापार करने की उम्मीद थी। चूकि भारत ने मई और जून में बांग्लादेश को मिलने वाली ट्रांस शिपमेंट फैसेलिटी पर प्रतिबंध लगा दिया तो ऐसी स्थिति में इन बंदरगाहों के लिए स्थिति और विकट हो गई।

मैक्सिको की सीनेट में विपक्षी नेता-सीनेट अध्यक्ष में हाथापाई, मोरेनो बोले- मैं तुझे मार डालूंगा

मैक्सिको सिटी, एजेंसी। मैक्सिको की सीनेट में बुधवार को उस वक्त हंगामा मच गया, जब एक जोरदार बहस के बाद विपक्षी नेता ने सीनेट अध्यक्ष को पकड़कर धक्का-मुक्की शुरू कर दी। यह सब उस वक्त हुआ, जब सीनेट की कार्यवाही खत्म होने के बाद सांसद राष्ट्रगान गा रहे थे। यह नजारा इतना हैरान करने वाला था कि लाइव स्ट्रीम में पूरी दुनिया ने देखा कि कैसे सीनेट में कुर्सियां छोड़कर मुक्के चलने लगे।

विपक्षी इंस्टीट्यूशनल रिवॉल्यूशनरी पार्टी (पीआरआई) के नेता अलेजांद्रो अलिटो मोरेनो ने सत्तारूढ़ मोरेना पार्टी के सीनेट अध्यक्ष गेरार्डो फर्नांडीज नोरोना पर हमला बोल दिया। मोरेनो बार-बार कह रहे थे, मुझे बोलने दो और उन्होंने नोरोना का हाथ पकड़ लिया। नोरोना ने जवाब में कहा, मुझे छूना मत, लेकिन बात यहीं नहीं रुकी। दोनों के बीच धक्का-मुक्की शुरू हो गई। हंगामा एक चर्चा के बाद शुरू हुआ। इसमें मैक्सिको में विदेशी सशस्त्र बलों की मौजूदगी पर तीखी चर्चा हुई थी। नोरोना के मुताबिक, मोरेनो ने कहा, मैं तुझे मार डालूंगा। इस दौरान एक और सांसद ने भी नोरोना पर मुक्का चलाने की कोशिश की।

अगर कोई भयानक त्रासदी घटित होती है, तो वह राष्ट्रपति पद संभालने के लिए तैयार हूं- उपराष्ट्रपति जेडी वेंस

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इन दिनों अपने फैसलों की वजह से दुनिया भर के देशों की सुर्खियों में बने हुए हैं। ऐसे में उनके पद पर रहने या न रहने को लेकर भी दुनिया बड़े गौर से देख रही है। उनकी सेहत को लेकर भी तमाम तरह की अटकलें लगाई जाती रहती हैं। हालांकि वाइट हाउस और ट्रंप परिवार की तरफ से उनकी सेहत को बिल्कुल सही बताया जाता है। इस सब के बीच उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने एक इंटरव्यू में कहा है कि अगर कोई भयानक त्रासदी घटित होती है, तो वह राष्ट्रपति पद संभालने के लिए तैयार हैं। हालांकि उन्होंने इस बात को भी दोहराया कि ट्रंप का स्वास्थ्य बेहतर है।

यूएस टुडे को दिए इंटरव्यू में जेडी वेंस ट्रंप के स्वास्थ्य और अपने राष्ट्रपति पद को लेकर पूछे गए सवाल का जवाब दिया। उन्होंने कहा, मुझे पूरा विश्वास है कि संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति अच्छी स्थिति में हैं, वह अपना शेष कार्यकाल पूरा करेंगे और अमेरिका को महान बनाने के अपने काम में लगे रहेंगे।

जेडी ने आगे कहा, भगवान न करे, कोई ऐसी भयानक घटना होती है, तो मैं पिछले 200 दिनों से ट्रंप के अंडर ट्रेनिंग ले रहा हूं, तो मैं राष्ट्रपति पद संभालने के लिए भी तैयार हूं।

गौरतलब है कि वेंस की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब बार-बार ट्रंप के स्वास्थ्य को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं।

हाल ही में दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ली जे म्युंग के साथ मुलाकात के दौरान ट्रंप के हाथ पर चोट के निशान देखे गए थे। हालंकि वाइट हाउस से जब इस चोट के बारे में जानकारी मांगी गई, तो उन्होंने बताया कि बार-बार हाथ मिलाने और एस्पिरिन का इस्तेमाल करने की वजह से यह चोट लगी है।

गाजा में भूख से मर रहे महिलाएं और बच्चे- सिंडी मैक्केन

गाजा, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र की खाद्य एजेंसी की प्रमुख ने बृहस्पतिवार को कहा कि इस हफ्ते गाजा दौरे के दौरान यह साफ दिखा कि वहां खाने-पीने की चीजें पर्याप्त नहीं हैं। उन्होंने बताया कि इस मुद्दे पर उन्होंने इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से भी बात की और ज्यादा मानवीय मदद पहुंचाने की तात्कालिक जरूरत पर जोर दिया। दुनिया की सबसे बड़ी खाद्य संकट निगरानी संस्था ने पिछले हफ्ते कहा था कि गाजा पट्टी का सबसे बड़ा शहर भुखमरी की चपेट में है और अगर युद्धविराम तथा राहत सामग्री पर लगी रोक नहीं हटाई गई, तो यह पूरे इलाके में फैल सकती है। विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) की कार्यकारी निदेशक सिंडी मैक्केन ने कहा कि गाजा में भुखमरी जारी है। उन्होंने कहा, मैंने खुद गाजा में माताओं और बच्चों से मुलाकात की जो भूख से मर रहे हैं। यह सच्चाई है और यह अभी हो रहा है। मैक्केन ने बताया कि पीएम नेतन्याहू स्पष्ट तौर पर चिंतित थे कि लोगों को पर्याप्त भोजन नहीं मिल रहा।

अमेरिकी राजनयिक ने लेबनानी पत्रकारों से मांगी माफी, संवाददाता सम्मेलन में की थी अपमानजनक टिप्पणी

बेरूत, एजेंसी। अमेरिकी राजनयिक टॉम बैरक ने बृहस्पतिवार (स्थानीय समयानुसार) को लेबनानी पत्रकारों से माफी मांगी। उन्होंने इस सप्ताह की शुरुआत में एक संवाददाता सम्मेलन में पत्रकारों को चुप कराने की कोशिश करते हुए उनकी तुलना जानवरों से की थी।

तुर्किये में अमेरिकी राजदूत और सीरिया में अमेरिकी दूत बैरक, जो लेबनान में एक अस्थायी कार्यभार भी संभाल रहे हैं, ने कहा कि उनका इरादा अपमानजनक तरीके से इस शब्द का इस्तेमाल करने का नहीं था। हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि उनकी टिप्पणी अनुचित थी।

बीते मंगलवार को बेरूत पहुंचे थे बैरक

दरअसल, बीते मंगलवार को बैरक अमेरिकी अधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ बेरूत पहुंचे थे।

यहां उन्होंने लेबनानी सरकार से आतंकवादी समूह हिजबुल्ला को निशस्त्र करने और इस्राइल-हिजबुल्ला युद्ध के बाद हुए संघर्षविराम समझौते के क्रियान्वयन पर चर्चा की।

पत्रकारों ने बैरक को मंच पर आने के लिए कहा था

राष्ट्रपति भवन में संवाददाता सम्मेलन की शुरुआत में पत्रकारों ने बैरक से चिल्लाकर कहा कि वह मंच पर आएं, क्योंकि बैरक ने कमरे में किसी दूसरी जगह से बोलना शुरू किया था। जैसे ही बैरक मंच पर पहुंचे, उन्होंने पत्रकारों से कहा, सभ्य, दयालु और सहनशील बनें। उन्होंने धमकी दी कि अगर ऐसा नहीं हुआ, तो वह सम्मेलन बीच में ही खत्म कर देंगे। बैरक ने कहा, जिस क्षण यह अराजकता, पशुवत होने लगेगी, हम यहां से चले जाएंगे।

राष्ट्रपति भवन ने भी बैरक की टिप्पणी पर जताया खेद

बैरक की इस टिप्पणी का भारी विरोध हुआ। लेबनान प्रेस संगठन ने माफी की मांग की और कहा कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो बैरक के कार्यक्रमों का बहिष्कार किया जाएगा। राष्ट्रपति भवन ने भी एक बयान जारी कर बैरक की टिप्पणी पर खेद जताया और पत्रकारों की कड़ी मेहनत की सराहना की।

मुझे खुद और ज्यादा सहनशील होना चाहिए था

बैरक ने एक्स प्लेटफॉर्म पर मीडिया कर्मी मारियो नवाफल के साथ साक्षात्कार में कहा कि पशुवत शब्द मैंने अपमानजनक रूप से नहीं कहा था, मैं सिर्फ कहना चाहता था कि माहौल शांत हो, सहनशीलता और दयालुता हो, सब सभ्य बने। लेकिन मीडिया तो अपना काम कर रहा था, ऐसे में यह कहना अनुचित था। उन्होंने आगे कहा, मुझे खुद और ज्यादा सहनशील होना चाहिए था और पत्रकारों को समय देना चाहिए था।

ईशनिंदा आरोप का सामना कर रही कैंसर पीड़ित महिला की जमानत खारिज, विवादित तस्वीर पोस्ट करने का मामला

रबात, एजेंसी। मोरक्को की एक अदालत ने नारीवादी कार्यकर्ता इब्तिसाम लचगर की जमानत याचिका खारिज कर दी है। लचगर पर ईशनिंदा करने के आरोप हैं। गौरतलब है कि लचगर कैंसर की समस्या से जूझ रही हैं और सितंबर में उनकी सर्जरी होनी है। इसके बावजूद मोरक्को की अदालत ने नारीवादी कार्यकर्ता को जमानत पर रिहा करने से इनकार कर दिया। इब्तिसाम लचगर का मामला इन दिनों मोरक्को समेत पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बना हुआ है।

इब्तिसाम लचगर के वकील ने बुधवार को हुई सुनवाई के दौरान उन्हें स्वास्थ्य स्थिति के आधार पर रिहा करने की मांग की थी, लेकिन राजधानी रबात की अदालत ने अपील ठुकरा दी और लचगर को रिहा करने से इनकार कर दिया। लचगर पर एक विवादित टिप्पणी वाली टीशर्ट पहनकर अपनी तस्वीर सोशल मीडिया पर पोस्ट करने का आरोप है। मोरक्को में राजशाही और इस्लाम का अपमान करने की सख्त मनाही और इसे लेकर वहां लंबे समय से कठोर कानून हैं।

लचगर की वकील नईमा एलगुलाफ ने बताया कि लचगर कैंसर से जूझ रही हैं और जेल में उन्हें जरूरी देखभाल नहीं मिल पा रही है। वकील ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि लचगर की सितंबर में सर्जरी होनी है। सर्जरी में तय किया जाना है कि क्या लचगर अभी भी अपने कृत्रिम हाथ के साथ जी सकती हैं या फिर उसे हटाना पड़ेगा। जेल में लचगर की हालत लगातार बिगड़ रही है। लचगर इस्लाम धर्म के खिलाफ काफी मुखर रही हैं और कई बार विवादों में फंस चुकी हैं।

फ्लोरिडा के करदाताओं को 218 मिलियन डॉलर के नुकसान की आशंका, एलीगेटर अलकाट्राज को बंद करने का आदेश

ऑरलैंडो, एजेंसी। फ्लोरिडा के करदाताओं को 218 मिलियन डॉलर का भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है, क्योंकि बुधवार (स्थानीय समयानुसार) देर रात एक जज ने एलीगेटर अल्काट्राज के संचालन को अनिश्चितकाल के लिए बंद करने का आदेश देते हुए अपने फैसले को बरकरार रखा। यह राज्य के एवरग्लेड्स में स्थित है और इसे हवाई प्रशिक्षण अड्डे से इमिग्रेशन डिटेंशन सेंटर में बदला गया था। इस केंद्र को एलीगेटर अल्काट्राज नाम दिया गया था। अब यह केंद्र जल्द ही पूरी तरह से खाली हो सकता है।

राज्य द्वारा अदालत में दायर दस्तावेजों के अनुसार, फिलहाल इस केंद्र को बंद करने में ही फ्लोरिडा को 15 से 20 मिलियन डॉलर का खर्च आएगा। अगर इसे दोबारा चालू करने की अनुमति मिली तो फिर से संरचनाओं को स्थापित करने पर 15 से 20 मिलियन डॉलर और खर्च होंगे। एक राज्य अधिकारी ने अदालती दस्तावेजों में कहा कि फ्लोरिडा आपातकालीन प्रबंधन विभाग को 218 मिलियन डॉलर का अधिकांश निवेश खोना पड़ेगा। सिर्फ कुछ ही दिनों में बने इस केंद्र में बड़े सफेद टेंटों के चारों तरफ जंजीरों से बंधे पिंजरे हैं, जिनके चारों ओर चारपाई बिस्तरों की कतारें लगी हुई हैं।

इस केंद्र के निर्माण-संचालन के लिए दिए गए हैं 405 मिलियन डॉलर के ठेके : एपी के हवाले से आई पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, फ्लोरिडा ने इस सुविधा के निर्माण और संचालन के लिए कम से कम 405 मिलियन डॉलर के ठेके दिए हैं। अधिकारियों ने शुरू में अनुमान लगाया था कि इसे चलाने में हर साल 450 मिलियन डॉलर लगेंगे। जुलाई के अंत तक ही राज्य 245 मिलियन डॉलर इस केंद्र पर खर्च कर चुका था। यह सुविधा 1 जुलाई से शुरू हुई थी। पिछले महीने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस केंद्र का दौरा किया था और कहा था कि यह पूरे देश में भविष्य के हिरासत केंद्रों का मॉडल हो सकता है।

कई कानूनी चुनौतियों का सामना कर रहा केंद्र : लेकिन शुरुआत से ही यहां गंदगी, अस्वच्छ हालात और बंदियों को कानूनी मदद से वंचित रखने जैसी शिकायतें आती रही हैं। यह केंद्र कई कानूनी चुनौतियों का सामना कर रहा है। बुधवार को अमेरिकी जिला न्यायाधीश कैथलीन विलियम्स ने अपना आदेश दोहराया कि केंद्र को बंद किया जाए, क्योंकि राज्य और संघीय एजेंसियों ने इस क्षेत्र की संवेदनशील आद्रभूमि में डिटेंशन सेंटर बनाने से पहले जरूरी पर्यावरण समीक्षा नहीं की। जज ने संचालन बंद करने के अपने आदेश को स्थगित करने के अनुरोधों को अस्वीकार कर दिया।

होमलैंड सुरक्षा विभाग ने कहा आदेश से बाधित होंगी योजनाएं : मियामी के न्यायाधीश ने कहा कि यहां बंदियों की संख्या पहले ही घट रही है और इससे संघीय सरकार के आव्रजन प्रवर्तन लक्ष्यों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। हालांकि, होमलैंड सुरक्षा विभाग के वकीलों का कहना है कि आदेश से उनकी योजनाएं बाधित होंगी। विभाग ने सिर्फ इतना कहा कि वह अदालत के आदेश का पालन कर रहा है और बंदियों को अन्य केंद्रों में शिफ्ट किया जा रहा है। हालांकि होमलैंड सुरक्षा विभाग ने यह नहीं बताया कि पिछले हफ्ते जज के अस्थायी निषेधाज्ञा के बाद से कितने बंदी बचे हैं और कितने बाहर निकाले गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

पुस्तक मेला नागरिकों के बौद्धिक एवं सांस्कृतिक विकास का जीवंत प्रतीक बन रहा है

विदिशा वासी पुस्तक क्रय में ले रहे विशेष रुचि, प्रतिदिन हो रही लाखों की बिक्री

विदिशा (निप्र)। जिला प्रशासन की विशेष पहल और नेशनल बुक ट्रस्ट, भारत सरकार एवं मध्यप्रदेश संस्कृति विभाग के सहयोग से विदिशा में आयोजित पुस्तक मेला पाठकों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। मेले में प्रतिदिन लाखों रुपये की पुस्तकों की बिक्री हो रही है, जो विदिशा वासियों के साहित्य और ज्ञान के प्रति गहरे लगाव को दर्शाता है। इसका समापन आगामी 29 अगस्त को किया जाएगा। इस अवसर पर विभिन्न साहित्यकारों, लेखकों और शिक्षाविदों के साथ संवाद कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं। पुस्तक मेले में विद्यार्थी, युवा, महिलाएँ एवं वरिष्ठ नागरिक बड़ी संख्या में पहुँच रहे हैं। बच्चों के साहित्य, प्रतियोगी परीक्षाओं की पुस्तकें, धार्मिक ग्रंथ, साहित्यिक कृतियाँ तथा सामान्य ज्ञान की किताबें सबसे अधिक लोकप्रिय हो रही हैं। नेशनल बुक ट्रस्ट के प्रतिनिधि ने बताया कि विदिशा के नागरिकों का उत्साह अभूतपूर्व है। जिस तरह यहाँ पठन-पाठन के प्रति जागरूकता दिख रही है, वह निश्चित ही ज्ञान संस्कृति को नई ऊँचाइयों तक ले जाएगी। आयोजकों का मानना है कि यह मेला न केवल पुस्तक संस्कृति को प्रोत्साहित कर रहा है बल्कि नई पीढ़ी में पढ़ने की आदत को भी सुदृढ़ कर रहा है।

नगद इनाम की घोषणा

विदिशा (निप्र)। पुलिस अधीक्षक श्री रोहित काशवानी ने थाना त्योंदा के फरार आरोपियों की सूचना देने अथवा गिरफ्तारी कराने में मदद करने वाले के लिए एक-एक हजार रूपए नगद इनाम देने की घोषणा की है। थाना त्योंदा में दर्ज अपराध प्रकरण क्रमांक 113/2025 के फरार आरोपियों में रामसेवक पुत्र गंगाराम तिवारी, चन्द्रेश पुत्र रामसेवक तिवारी, देवराज पुत्र रामसेवक तिवारी, अनुराग पुत्र चन्द्रेश तिवारी, रामसखी बाई पत्नि कृष्ण कुमार तिवारी, सुरभि पुत्री रामकृष्ण तिवारी निवासीगण ग्राम घटेरा थाना त्योंदा जिला विदिशा की सूचना देने, गिरफ्तारी में मदद करने वाले के लिए क्रमशः एक-एक हजार रूपए (प्रत्येक पर) का इनाम घोषित किया गया है सूचना देने वाला व्यक्ति चाहे तो उसका नाम गोपनीय रखा जाएगा।

दो और प्रकरणों में जिला बदर की कार्यवाही

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री अंशुल कुमार गुप्ता ने दो प्रकरणों में जिला बदर के आदेश जारी कर दिए है। पुलिस अधीक्षक श्री रोहित काशवानी के प्रतिवेदन पर जिन दो प्रकरणों में जिला बदर की कार्यवाही की गई है। उनमें अनावेदक खिलान सिंह पिता स्वर्गीय कंछेदीलाल अहिरवार उम्र 39 साल निवासी मेहलुआ चैराहा थाना कुरवाई एवं अनावेदक लोकेश राजपूत पिता मंगल सिंह राजपूत उम्र 28 वर्ष निवासी लड्डा ऐजेन्सी वाली गली गंजबासौदा सहित पूर्व उल्लेखितों के विरूद्व मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत जिला बदर की कार्यवाही का आदेश जारी हुआ है। दोनो अनावेदक विदिशा जिला एवं सीमावर्ती जिला रायसेन, भोपाल, गुना, अशोकनगर, सागर, राजगढ़ की राजस्व सीमा से क्रमशः छह-छह माह की कालावधि के लिए उसे निष्कासित किये गए है।

तेज बारिश से सड़क पर भराया पानी, नालियां हुई ओवरफ्लो

मसनगांव(निप्र)। गांव में बुधवार दोपहर करीब 1 घंटे तेज बारिश हुई। इस कारण गांव की नालियां ओवरफ्लो हो गई, इससे सड़कों और गलियों में पानी भर गया। यह पानी घरों के आंगन और कॉलोनी में जमा हो गया। इस कारण लोगों को निकलने में परेशानी का सामना करना पड़ा। किसान दिन में खेतों में दवाई का स्प्रे कर रहे थे, अचानक हुई बारिश से उनके काम रुक गए। इधर गणेश चतुर्थी के मौके पर गांव में जगह-जगह गणेश जी की प्रतिमा स्थापना के दौरान तेज बारिश से पंडालों में भी पानी भर गया।

शासकीय सेवा से सेवानिवृत होने का मतलब समाज सेवा से निवृत्त होना नही है : कलेक्टर

सीहोर (निप्र)। शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त हुए शासकीय सेवकों के सम्मान समारोह कलेक्टर श्री बालागुरू के. की उपस्थिति में संपन्न हुआ। यह अवसर न केवल विदाई का था, बल्कि समर्पित सेवाओं के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का भी था, जहां प्रशासन ने उन सेवकों को सम्मान के साथ विदा किया, जिन्होंने वर्षों तक शासन और समाज के हित में अपनी सेवा दी। इस अवसर पर कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने संबोधित करते हुए कहा कि शासकीय सेवक केवल शासकीय सेवा से निवृत हुए हैं, समाज सेवा से नहीं। सेवानिवृत शासकीय सेवाक एक नागरिक के तौर पर हमेशा समाज की सेवा में अपना अमूल्य योगदान दे सकते हैं। उन्होंने शासकीय सेवकों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि सेवानिवृत्ति जीवन का एक पड़ाव है, यहां से एक नए जीवन की शुरूआत होती है। उन्होंने सभी से कहा कि अपने भावी जीवन को सक्रिय, स्वस्थ और सकारात्मक बनाएं। योग, संतुलित आहार और सुव्यवस्थित दिनचर्या को अपनाकर व्यक्ति न केवल स्वयं का, बल्कि पूरे परिवार और समाज का भी मार्गदर्शन कर सकता है। उन्होंने आग्रह किया कि जीवन में प्राप्त अनुभवों को समाज के साथ साझा कर समाज को एक बेहतर दिशा देने में सहभागी बनें।

संभागायुक्त ने किया आमला अस्पताल व तहसील कार्यालय का निरीक्षण

बैतूल (निप्र)। संभागायुक्त श्री के.जी. तिवारी ने सोमवार को जिले के आमला में सिविल अस्पताल का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभिन्न वार्डों का अवलोकन कर मरीजों के उपचार एवं विश्राम की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने मरीजों के परिजनों से अस्पताल के चिकित्सक एवं स्टाफ के व्यवहार के संबंध में भी बातचीत की। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त नर्मदापुरम श्री गणेश जायसवाल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। संभागायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए कि अस्पताल में उपलब्ध दवाइयों के अलावा किसी भी चिकित्सक द्वारा बाहर की दवाइयाँ और इंजेक्शन न लिखा जाएं।

डिजिटल इंडिया अभियान ने युवाओं को नई संभावनाएं प्रदान की हैं : मंत्री टेटवाल

कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री टेटवाल ने सीहोर में किया रोजगार मेला एवं इंडस्ट्रियल पार्क का शुभारंभ

सीहोर (निप्र)। कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल ने सीहोर स्थित सत्य साई प्रौद्योगिकी एवं चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय रोजगार मेला एवं इंडस्ट्रियल पार्क का शुभारंभ किया। इस रोजगार मेले में विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों द्वारा 96 युवाओं का प्राथमिक चयन किया गया। इस अवसर पर मंत्री श्री टेटवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में सरकार निरंतर देश एवं प्रदेश के युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध करा रही है। इसके साथ ही प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी निरंतर विकास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कौशल विकास विभाग एक ऐसा विभाग है, जो मुख्यधारा से वंचित, पढ़ाई छोड़ चुके या अभावग्रस्त विद्यार्थियों के लिए कौशल प्रशिक्षण आयोजित कर उनके हाथ में रोजगार या स्वरोजगार के विकल्प उपलब्ध कराने के लिए कार्य करता है। विभाग द्वारा ग्लोबल स्किल पार्क भोपाल में उच्च स्तरीय कोर्स जैसे रोबोटिक्स, मैकाटोनिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आदि आधुनिक विषयों में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा युवाओं को सुई से लेकर हवाई जहाज बनाने तक का काम सिखाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज डिजिटल इंडिया अभियान ने युवाओं को नई संभावनाएं प्रदान की हैं, इस अभियान के तहत युवा अपने उत्पादों और सेवाओं को वैश्विक बाजार में बेच सकते हैं। ई-कॉमर्स और डिजिटल मार्केटिंग के माध्यम से हमारे युवा अपने सपनों को साकार करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि जब देश का युवा आत्मनिर्भर बनता है तो देश भी आत्मनिर्भर बनता है। उन्होंने कहा कि यह रोजगार मेला केवल अवसरों के अन्वेषण का दिन नहीं, बल्कि यह आत्मनिरीक्षण और प्रेरणा का भी अवसर है। उन्होंन युवाओं से कहा कि वे नए कौशल सीखें, अपने नेटवर्क का विस्तार करें और एक उज्जवल भविष्य के लिए स्वयं को तैयार करें। ताकि देश विकास के नए आयाम स्थापित कर सके। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा कौशल विकास एवं रोजगार को केंद्र में रखकर केंद्रीय बजट 2025 तैयार किया गया है तथा प्रदेश सरकार भी प्रदेश को कौशल शक्ति प्रदेश के रूप में विकसित करने के लिए तत्पर है। इस अवसर पर कार्यक्रम में कुलपति डॉ. मुकेश तिवारी, चेयरमैन डॉ. सुनील कपूर, सीआईडीसी डायरेक्टर जनरल डॉ. प्रियरंजन स्वरूप कुलाधिपति डॉ. साधना कपूर, एमडी सुश्री रूचि कपूर सहित अन्य पदाधिकारी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

कहानी और कविता से भी बनता है जीवन : श्री राजेश बादल

विदिशा (निप्र)। नेशनल बुक ट्रस्ट द्वारा आयोजित विदिशा पुस्तक मेला के चैथे दिन जिंदगी में कहानी और कविता विषय पर साहित्यिक सत्र का आयोजन रवीन्द्र भवन में हुआ। सत्र में वरिष्ठ पत्रकार, साहित्यकार एवं फिल्मकार राजेश बादल ने कहा कि महान कलाकारों की हमें शोहरत तो दिखाई देती है, लेकिन उनके संघर्ष नहीं दिखते। इन्हीं संघर्षों को पार कर वे लोकप्रियता की ऊँचाइयों तक पहुँचते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने की। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज को प्रेरणा देते हैं और आगे भी इस प्रकार के कार्यक्रम होते रहेंगे। संवाद का संचालन ओब्जर्वर के संपादक शशि केसवानी ने अपनी शेर-ओ-शायरी से सजाई अनूठी शैली में किया। इस अवसर पर कवि सुधीर सक्सेना ने कविता और प्रेम के महत्व पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि अच्छी किताबों को हमें अपना सच्चा दोस्त बनाना चाहिए। उन्होंने अपनी एक कविता का पाठ भी किया। राजेश बादल ने गजल सम्राट जगजीत सिंह की उदारता और साहित्यकार वृंदावनलाल वर्मा, मैथिलीशरण गुप्त व साहिर लुधियानवी से जुड़े प्रसंग साझा किए। वहीं शशि केसवानी ने भोपाल गैस त्रासदी पर लिखी जा रही अपनी पुस्तक से जुड़े अनुभव बताए। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने भोपाल से आए वरिष्ठ साहित्यकारों को स्मृति चिन्ह के रूप में किताबें भेंट कर इस पर को स्मरणीय बनाया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थी व नागरिक उपस्थित रहे।

कॉलेज में विषय बदलने का मौका:यूजी-पीजी छात्रों को 15 सितंबर तक ऑनलाइन आवेदन की छूट, फीस भी वापस मिलेगी

हरदा (निप्र)। कॉलेजों में प्रवेश ले चुके छात्रों के लिए उच्च शिक्षा विभाग ने बड़ी राहत दी है। अब छात्र 15 सितंबर तक कॉलेज, विषय और संकाय (स्ट्रीम) बदल सकेंगे। विभाग के स्पेशल ड्यूटी ऑफिसर ने सभी यूनिवर्सिटीज के कुलसचिव और कॉलेज प्राचार्यों को इस संबंध में लेटर जारी किया है। इसके तहत छात्र अपना एडमिशन रद्द कर शुल्क वापस भी ले सकते हैं। वे दूसरे कॉलेज में स्थानांतरण करा सकते हैं, साथ ही विषय और स्ट्रीम भी बदल सकते हैं।

25 अगस्त से शुरू हुई प्रोसेस

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस स्वामी विवेकानंद पीजी कॉलेज की प्राचार्य डॉ. संगीता बिले ने बताया कि यह सुविधा 25 अगस्त से शुरू हो चुकी है। छात्रों को अपनी लॉगइन आईडी से ऑनलाइन प्रक्रिया पूरी कर आवेदन कॉलेज प्राचार्य को देना होगा। यह प्रक्रिया 15 सितंबर तक चलेगी। कॉलेज फैकल्टी के अनुसार, कुछ फॉर्म में तकनीकी त्रुटियां पाई गई हैं। उदाहरण के तौर पर, बायोलॉजी के छात्र के फॉर्म में मेजर विषय फिजिक्स भरा गया, जो गाइडलाइन के अनुसार संभव नहीं है। छात्र ऐसी शैक्षणिक जानकारी में सुधार कर सकते हैं। यह सुविधा यूजी और पीजी दोनों स्तर के छात्रों के लिए लागू होगी।

कलेक्टर ने जवाहर नवोदय स्कूल श्यामपुर का किया निरीक्षण

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने जिले के श्यामपुर स्थित पीएमश्री जवाहर नवोदय स्कूल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्कूल की सभी व्यवस्थाएं देखीं और कक्षाओं का भी निरीक्षण किया। कक्षाओ के निरीक्षण कि दौरान उन्होंने कक्षा 12वी के विद्यार्थियों से पढ़ाई के बारे में चर्चा की और पढ़ाई के लिए महत्वपूर्ण टिप्स दिए। उन्होंने बच्चों से चर्चा करते हुए कहा कि विद्यार्थी जीवन वह स्वर्णिम समय होता है, जिसमें कड़ी मेहनत और आत्मविश्वास से अपने और देश के भविष्य को नई सकारात्मक दिशा दी जा सकती हैं। उन्होंने बच्चों से कहा कि अपना लक्ष्य निर्धारित करें और उसे पाने के लिए पूरी निष्ठा के साथ कठिन परिश्रम करें। इस अवसर पर कलेक्टर श्री बालागुरू के. विद्यालय मैनेजमेंट कमेटी की बैठक आयोजित कर विद्यालय में संचालित गतिविधियों की समीक्षा भी की। बैठक में उन्होंने विद्यालय की कार्य प्रणाली, मूलभूत व्यवस्थाओं और उपलब्धियों के बारे में विस्तार से जानकारी ली। बैठक के दौरान स्कूल में छात्रों के लिए स्वास्थ्य शिविर लगाने, बिजली का कनेक्शन 11 केवी से 33 केवी में बदलने, प्रवेश परीक्षा में छात्राओं के नामांकन बढ़ाने, कैंपस में सोलर लाइट लगाने, स्कूल मुख्य गेट का सौंदर्यीकरण कराने, बॉटनिकल गार्डन का विस्तार करने, अतिरिक्त कक्षाओं का निर्माण करने, 400 मीटर का ट्रैक बनाने एवं हैंड पंप लगाने सहित अनेक बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरू के. संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी श्री संजय सिंह तोमर, सीहोर नगर पालिका सीएमओ श्री सुधीर कुमार, प्राचार्य डॉ केएस बघेल, उप प्राचार्य श्रीमती रीता खत्री सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

भिरंगी गेट के पास गड्ढे से बचने में कार 3 पलटी खाई, 3 की मौत, 1 अस्पताल में भर्ती

हरदा (निप्र)। हरदा- खंडवा जर्जर स्टेट हाईवे हादसों का हाईवे बनता जा रहा है। इस पर आए दिन हादसे हो रहे हैं। बुधवार दोपहर ढाई बजे के लगभग भिरंगी गेट के पास तेज रफ्तार अल्टो कार अनियंत्रित होकर तीन पलटी खाकर हाईवे से नीचे उतर गई। हादसा हाईवे के गड्ढे से बचने के चक्कर में हुआ। इसमें भोपाल व खिरकिया के सारंगपुर के 3 व्यक्तियों की मौत हो गई। वहीं सारंगपुर का एक व्यक्ति गंभीर घायल है। घायल को जिला अस्पताल में भर्ती किया है। जानकारी के अनुसार सारंगपुर से अल्टो कार क्रमांक एमपी 09 सीएफ 3145 में चार दोस्त घूमने के लिए निकले। दोपहर 2.30 बजे जर्जर हरदा- खंडवा स्टेट हाईवे पर भिरंगी गेट के निर्माणाधीन ब्रिज के पास तेज रफ्तार कार सामने आए गड्ढे से बचने में अनियंत्रित होकर तीन पलटी खाकर हाईवे से नीचे उतर गई। इससे कार में सवार सारंगपुर निवासी काशीराम (50) पिता नागेश्वर राजपूत और भोपाल के बैरागढ़ प्रकाश भील (52) कार से उछलकर बाहर आ गिरे। दोनों की मौके पर मौत हो गई। लोगों ने देखा तो मदद के लिए आगे आए और एंबुलेंस से खिरकिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर गए। वहीं दूसरी एंबुलेंस 108 से गंभीर घायल सारंगपुर निवासी मंशाराम (60) पिता रामपाल सेन और भोपाल के बैरागढ़ निवासी अवधनारायण (65) पिता रामकिसन सेन को जिला अस्पताल में भर्ती किया। जहां अवधनारायण की इलाज के दौरान मौत हो गई। हरदा। हाईवे से नीचे उतरी अल्टो कार। दूसरी फोटो में अस्पताल में भर्ती घायल।

प्रत्यक्षदर्शी : प्रकाश ने बचाने की कोशिश की तो कार पलटी जिला अस्पताल में भर्ती मंशाराम सेन ने बताया उसके दोनों पैर में गंभीर चोट आई है। बाया पैर में कमर के पास फ्रैक्चर हो गया है। पैर ऊपर नहीं उठ रहे। उन्होंने बताया कि हाईवे पर गड्ढों की भरमार है। सामने बड़ा गड्ढा आने से कार चला रहे प्रकाश ने बचाने की कोशिश की, लेकिन कार अनियंत्रित हो गई। इसके बाद पलटी खाकर हाईवे से नीचे उतर गई। वहीं भोपाल के बैरागढ़ निवासी अवधनारायण की इलाज के दौरान मौत हो गई। वे अंदरूनी चोट के कारण जिला अस्पताल में कुछ भी बोलने की स्थिति में नहीं थे। मरम्मत कार्य चल रहा है इस्टेट हाईवे की मरम्मत चल रही है। अभी छीपाबड़ से मुहाल के बीच काम चल रहा है।

तीन दिवसीय आदि कर्मयोगी डिस्ट्रिक्ट प्रोसेस लैब प्रशिक्षण का किया समापन

बैतूल (निप्र)। भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय नई दिल्ली के निर्देशानुसार बैतूल जिले के चिन्हित आदिवासी बाहुल्य ग्रामों में योजनाओं के सैचुरेशन, विकास कार्यों की जन-संचालित प्लानिंग एवं स्थानीय समस्याओं के निराकरण के उद्देश्य से आदि कर्मयोगी अभियान के अंतर्गत ब्लॉक स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स के लिए आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण का बुधवार को समापन किया गया। समापन समारोह के अवसर पर राज्य स्तर से विषय विशेषज्ञ जनजातीय प्रकोष्ठ राज्य भवन भोपाल डॉ.दीपमाला रावत एवं सहायक अनुसंधान अधिकारी टी.आर.आई भोपाल श्रीमती सारिका धोलपुरिया, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अक्षत जैन, एसडीएम श्रीमती अनिता पटेल एवं सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्री विवेक पाण्डेय उपस्थित रहें। समापन समारोह के दौरान राज्य स्तरीय पर्यवेक्षकों द्वारा मप्र राज्यपाल महोदय की मंशानुसार जनजातीय लोगों के हित में उनके विकास, उनकी सहमति एवं अपेक्षा के अनुरूप विजन प्लान का निर्माण किए जाने के लिए मार्गदर्शन दिया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अक्षत जैन द्वारा अग्रिम कार्य को किस तरह करना है को चरणबद्ध तरीके से बताया गया।जनजातीय कार्य विभाग सहायक आयुक्त श्री विवेक पाण्डेय ने बताया कि प्रशिक्षण के तृतीय दिवस रिंकेप के माध्यम से शुरुआत की गई। आदि कर्मयोगी किस तरह से कार्य करेगें पर चर्चा की गई। इस दौरान प्रतिभागियों द्वारा विकासखंड स्तरीय शेड्यूल बनाया गया तथा अंत में पोस्ट टेस्ट के माध्यम से प्रतिभागियों द्वारा स्वयं मूल्यांकन किया गया। तृतीय दिवस में छोटे-छोटे मोटिवेशनल विकियों के माध्यम से चर्चा की गई। अलग-अलग गतिविधियों के माध्यम से अन्य विभागों साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने की सलाह दी गई। तत्पश्चात प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिए गए।

36 पाव अवैध देसी और 4 लीटर महुआ शराब जब्त

हरदा (निप्र)। आबकारी विभाग की टीम ने गोंदागांव खुर्द व बिरजाखेड़ी में छापामार कार्रवाई की। अवैध शराब बनाने, बेचने व संग्रहण के तीन केस दर्ज किए। जिला आबकारी अधिकारी सुनील भोजने ने बताया टीम ने 4 लीटर हाथ भट्टी कच्ची महुआ शराब तथा 36 पाव अवैध देसी शराब जब्त की गई।

अब भगवान गणेश की कृपा और सरकार की मदद से हमें अपना घर मिला है

विदिशा (निप्र)। गणेश चतुर्थी पर्व इस बार बासौदा नगर के दस परिवारों के लिए जीवनभर यादगार बन गया। नगर पालिका परिषद गंजबासौदा ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत चयनित 10 हितग्राहियों को उनके नव-निर्मित घरों की चाबियाँ सौंपकर गृह प्रवेश कराया।

पहले किराये के मकानों या झोपड़ीनुमा घरों में जीवन गुजार रहे ये परिवार अब अपने पक्के, सुरक्षित और सम्मानजनक घर में रहने का सपना पूरा कर पाए हैं। गृह प्रवेश के अवसर पर परिवारों की आँखों में आँसू और चेहरों पर मुस्कान साथ-साथ दिखाई दी। योजना से लाभान्वित हितग्राहियों का कहना है कि हम बरसों से झोपड़ी में रह रहे थे। हर बारिश हमारे लिए चिंता लेकर आती थी। अब भगवान गणेश की कृपा और सरकार की मदद से हमें अपना घर मिला है। यह हमारे बच्चों के भविष्य की सबसे बड़ी सुरक्षा है। नगर पालिका परिषद गंजबासौदा के मुख्य नगर अधिकारियों ने बताया कि योजना के तहत पात्र परिवारों को किस्तों में आर्थिक सहायता दी जाती है और गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाता है। सभी दस घरों का समय पर निर्माण पूरा होना और पर्व के अवसर पर गृह प्रवेश होना, नगर के लिए भी गर्व का विषय है।

गृह प्रवेश कार्यक्रम ने इन परिवारों को सिर्फ आश्रय ही नहीं, बल्कि सम्मान और आत्मविश्वास भी प्रदान किया है। गणेश चतुर्थी पर मिला यह तोहफा उनके जीवन में स्थायी सुख-शांति का आधार बनेगा। मुख्य नगरपालिका अधिकारी ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 1.0 बीएलसी घटक के तहत गणेश चतुर्थी 27 अगस्त को पीएमवाय के दस हितग्राहियों को गृह प्रवेश कराया गया है उनमें वार्ड छह के चार हितग्राही तदानुसार पिछडा वर्ग के श्री विनोद सेन, श्री रामकुमार, अनुसूचित जाति के बुद्धा और सामान्य वर्ग के श्री राजू शामिल है। वार्ड 13 में पिछडा वर्ग के तीन हितग्राही श्री कैलाश, श्रीमती प्रेमबाई और श्री प्रेम सिंह यादव को तथा वार्ड सात में दो हितग्राही श्री रविन्द्र प्रजापति और बृजेश को जबकि वार्ड दस में अनुसूचित जाति के लाभाविंत हितग्राही श्री करन सिंह अहिरवार को आज गृह प्रवेश कराया गया है आज सम्पन्न हुए गृह प्रवेश में लाभाविंत होने वाले नौ पुरूष और एक महिला हितग्राही शामिल है।

सनी लियोन ने बताया मां बनने से पहले का दर्द

बॉलीवुड अभिनेत्री सनी लियोन तीन बच्चों की माँ होने का गौरव प्राप्त कर चुकी हैं। अभिनेत्री जितनी एक कुशल पेशेवर हैं, उतनी ही अपने बच्चों के प्रति एक स्नेही और ज़िम्मेदार माँ भी हैं। लेकिन सनी और उनके पति डेनियल वेबर को माता-पिता बनने का सौभाग्य आसानी से नहीं मिला। इस जोड़े को एक खुशहाल परिवार के अपने सपने को साकार होते देखने के लिए कई भावनात्मक उतार-चढ़ावों से गुज़रना पड़ा। अभिनेत्री सोहा अली खान के हालिया पॉडकास्ट में सनी ने इस बारे में विस्तार से बताया और माता-पिता बनने तक के अपने पूरे सफ़र के बारे में बताया। सोहा से बात करते हुए, सनी ने बताया कि कैसे उन्होंने चिकित्सीय जटिलताओं के कारण अपने 6 बच्चों को खो दिया, हमारे चार बेटियाँ और दो बेटे थे, लेकिन यह ठीक नहीं हुआ। एक दिन वह (सरोगेट) कहती है, मैं गर्भवती हूँ। लेकिन हमें पता चला कि थैली खाली थी। बच्चा विकसित नहीं होने वाला था। उन्होंने आगे बताया कि लगातार आने वाली बाधाओं को स्वीकार करना कितना कठिन था। हम सोच रहे थे, क्या हमने कुछ किया है? क्या भगवान हमसे प्यार नहीं करते? ऐसा क्यों हो रहा है? और हम एक छोटी बच्ची को गोद क्यों नहीं ले सकते? अभिनेत्री ने गोद लेने की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया और बताया कि कैसे उनकी बेटी निशा, जो उस समय सिर्फ़ 18 महीने की थी, उनके जीवन में आई और उन्हें माता-पिता होने का एहसास कराया। उन चार बच्चियों को खोने के उस दौर में, हमने गोद लेने के लिए आवेदन किया। हमने निशा से कहा कि उसने हमें चुना है। ज़ाहिर है, हमने तुम्हें नहीं चुना। निशा सिर्फ़ 18 महीने की थी, लेकिन उसका आकार एक साल के बच्चे जितना था। लेकिन जब मैंने उसे पहली बार देखा, तो ऐसा लगा, यह मेरी बच्ची है!卐सनी ने कहा। एक पल का जुड़ाव हो गया। यह पल भर का एहसास था, जैसे अब वह मेरी है और किसी और की नहीं। वह निशा कोरा वेबर है! खुश दिख रही सनी ने बताया।

राम चरण ने नागार्जुन को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए लिखा, सदैव प्रेरणादायक

टॉलीवुड स्टार नागार्जुन आज 66 साल के हो गए, और देश भर के प्रशंसकों और मशहूर हस्तियों ने उन्हें शुभकामनाएँ दीं। इनमें से, अभिनेता राम चरण ने सोशल मीडिया पर दिग्गज स्टार के लिए एक भावुक संदेश साझा किया। राम चरण ने इंस्टाग्राम पर नागार्जुन की फिल्म इंडस्ट्री में प्रेरणादायक उपस्थिति की प्रशंसा की । उन्होंने लिखा, सदैव प्रेरणादायी गारू को जन्मदिन की शुभकामनाएँ। आपको खुशी, सफलता, स्वास्थ्य और सकारात्मकता से भरे एक साल की शुभकामनाएँपनी बहुमुखी भूमिकाओं से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने वाले नागार्जुन हाल ही में रजनीकांत के साथ कुली में नज़र आए। 14 अगस्त को रिलीज़ हुई इस फिल्म ने रजनीकांत की सिल्वर स्क्रीन पर धमाकेदार वापसी की। इस फिल्म में सत्यराज, सौबिन शाहिर और श्रुति हासन भी नज़र आए। आमिर खान ने दहा के रूप में एक विशेष भूमिका निभाई। लोकेश कनगराज द्वारा निर्देशित इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया है। दूसरी ओर, राम चरण आगामी फिल्म पेड्डी में नजर आएंगे, जिसका निर्देशन उप्पेना फेम बुची बाबू सना करेंगे। तेलुगू सुपरस्टार ने अपनी आगामी फिल्म के लिए अपने नए शक्तिशाली लुक से प्रशंसकों को रूबरू कराया था।चरण ने अपने इंस्टाग्राम पर इस किरदार के लिए अपने बदलाव की तस्वीर शेयर की। तस्वीर में वह अपनी सुडौल बांह, घनी दाढ़ी और मैन बन दिखाते हुए नज़र आ रहे हैं, जो फिल्म के लिए उनकी कड़ी तैयारी को दर्शाता है। पेड्डी में जान्हवी कपूर, शिवा राजकुमार, जगपति बाबू और दिव्येंदु मुख्य भूमिकाओं में हैं। इस साल की शुरुआत में, राम नवमी पर पेड्डी फर्स्ट शॉट शीर्षक से एक टीज़र रिलीज़ किया गया था। इसमें राम चरण एक कठोर अवतार में धूल भरे खेत में चलते हुए, बीड़ी जलाते हुए और यह संवाद बोलते हुए दिखाई दे रहे थे- मेरे पास जीने के लिए बस एक ही ज़िंदगी है, और मैं इसका पूरा आनंद लेना चाहता हूँ। इस फिल्म का निर्माण वेंकट सतीश किलारू द्वारा वृद्धि सिनेमाज़ के बैनर तले किया जा रहा है, और मैथरी मूवी मेकर्स और सुकुमार राइटिंग्स प्रस्तुतकर्ता हैं।

2025 में इन सेलिब्रिटीज का रिश्ता है खतरे में

हंसिका मोटवानी-सुहैल कथूरिया: हंसिका मोटवानी और बिजनेसमैन सुहैल कथूरिया ने 2022 में सात फेरे लिए थे. लेकिन कुछ समय पहले से ये खबरें आने लगी कि दोनों के रिश्ते में खटास आ गई है और अब दोनों इस रिश्ते से अलग होना चाहते हैं.गणेश चतुर्थी के मौके पर भी एक्ट्रेस को अकेले ही तैयार हो कर पूजा करते देखा गया जिसके बाद ये चर्चाएं तेज हो गई कि दोनों अब अलग होने वाले हैं. लेकिन अब तक न तो हंसिका ने और न ही सुहैल ने अपने रिश्ते को लेकर कोई बात की है.

गोविंदा-सुनीता आहूजा: गोविंदा और सुनीता आहूजा की तलाक की खबरों ने भी फैंस को काफी परेशान कर दिया था. लेकिन इसके बाद गणेश चतुर्थी के मौके पर दोनों को साथ में मिठाई बांटते देख फैंस ने राहत की सांस ली है.इसके पहले भी इस कपल के अलग होने की खबरों ने तुल पकड़ा था जिसके जवाब में सुनीता आहूजा ने बयान दिया था कि कोई उन्हें अलग नहीं कर सकता. कुछ दिनों पहले भी गोविंदा के मैनेजर ने पीटीआई से खास बातचीत में इन अफवाहों को खारिज कर दिया था.

ऐश्वर्या राय-अभिषेक बच्चन: बॉलीवुड के पावर कपल्स में से एक हैं ऐश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन. पिछले काफी टाइम से दोनों की तलाक की खबरों ने ऑडियंस को परेशान कर दिया था. फैमिली फंक्शन और बाकी इवेंट्स में भी कई बार दोनों को अलग ही देखा गया जिससे फैंस ने ये कयास लगाया कि अब दोनों के रिश्ते में खटास आ गई है. लेकिन बाद में ई टाइम्स को दिए इंटरव्यू में इन सभी अफवाहों पर ताला लगा दिया और कहा कि सभी बातें झूठी हैं.

ऐश्वर्या शर्मा-नील भट्ट: पिछले काफी समय से पॉपुलर कपल ऐश्वर्या शर्मा और नील भट्ट का रिश्ता सवालों के कठघरे में है. लेकिन बाद में एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर स्टोरी शेयर करते हुए ट्रोलर्स और फेक न्यूज फैलाने वालों पर जमकर निशाना साधा था. उन्होंने अपनी स्टोरी के जरिए इन सभी अफवाहों को खारिज कर दिया।

डू यू वाना पार्टनर ट्रेलर में दिखा

तमन्ना और डायना का कमाल

आए दिन कोई ना कोई नई मूवीज और वेब सीरीज ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होती हैं। हाल ही में एक और अपकमिंग सीरीज डू यू वाना पार्टनर का एलान मेकर्स ने किया था। इस सीरीज को लेकर अब लोगों का इंतजार खत्म होने वाला है। आज कॉमेडी और ड्रामा से भरपूर 'डू यू वाना पार्टनर' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। इस वेब सीरीज में बी टाउन एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया और डायना पेंटी अहम भूमिकाओं को निभाती हुई नजर आएंगी।

29 अगस्त को ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म डू यू वाना पार्टनर का ट्रेलर एक जोशीली धुन के साथ शुरू होता है, जो हमें दो जिगरी दोस्तों की जिंदगी की झलक दिखाता है। ये दोनों दोस्त अपना खुद का क्राफ्ट बीयर ब्रांड लॉन्च करने के एक दमदार आइडिया के साथ स्टार्ट-अप की दुनिया में कदम रखती हैं। इसके बाद शुरू होती है एक मजेदार और हाई-एनर्जी सफर, जिसमें बीयर के दिग्गजों, माफिया और ऐसे-ऐसे 'जुगाड़' सामने आते हैं, जिनकी उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की थी। दो सहेलियां, जबरदस्त ड्रामा और एक दूसरे के लिए इमोशनल स्ट्रैंथ अगर आप इन मजेदार ट्विस्ट से भरी कोई कहानी देखना चाहते हैं तो बहुत जल्द तमन्ना भाटिया और डायना पेंटी आपका मनोरंजन करने वाली हैं। कॉमेडी ड्रामा कहानी हमेशा से ही दर्शकों की फेवरेट रही है।

बता दें, इस कॉमेडी ड्रामा वेब सीरीज में तमन्ना भाटिया और डायना पैंटी के साथ नकुल मेहता, जावेद जाफरी, नीरज काबी, सूफी मोतीवाला, श्वेता तिवारी और रणविजय सिंह जैसे कलाकार मुख्य भूमिका में दिखाई देने वाले हैं। यह महिलाओं की आत्मनिर्भरता और महत्वकांक्षा पर बनी एक दिल छू लेने वाली कहानी है। इसे नंदिनी गुप्ता, आर्ष वोरा और मिथुन गंगोपाध्याय ने लिखा है। इसके क्रिएटर मिथुन गंगोपाध्याय और निशांत नायक हैं। शोमेन मिश्रा और अर्चित कुमार एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर हैं। इसका डायरेक्शन कॉलिन डी कुन्हा ने किया है।तमन्ना भाटिया और डायना पेंटी की इस कहानी में अल्कोहल बिजनेस का स्टार्टअप, ढेर सारे संघर्ष और मजेदार ट्विस्ट दिखाए जाने वाले हैं। करण जौहर के साथ अपूर्व मेहता और आदर पूनावाला ने इसे प्रोड्यूस किया है। फैंस इन दोनों हसीनों को देखने के लिए काफी एक्साइटेड नजर आ रहे हैं।इस सीरीज के साथ दर्शकों को नई फीमेल पार्टनर की जोड़ी से इंट्रोड्यूस होने का मौका मिलने वाला है।

जाह्नवी की इन फिल्मों का परम सुंदरी ने तोड़ा रिकॉर्ड

सिद्धार्थ मल्होत्रा और जाह्नवी कपूर की परम सुंदरी को लेकर काफी बज बना हुआ था. फिल्म से फैंस को काफी उम्मीद भी थी. अब ये फिल्म सिनेमाघरों पर रिलीज हो चुकी है और इसके पहले दिन का कलेक्शन भी सामने आ गया है. परम सुंदरी ने पहले दिन ठीक-ठाक बिजनेस किया है. उम्मीद थी कि ये फिल्म 8-10 करोड़ का कलेक्शन पहले दिन करने वाली है फिर भी सही कमाई कर ली है.सिद्धार्थ मल्होत्रा और जाह्नवी कपूर ने लंबे समय से कोई भी हिट फिल्म नहीं दी है. दोनों को परम सुंदरी से काफी उम्मीदें हैं. फिल्म ने पहले दिन जितनी कमाई की है वीकेंड पर वो बढ़ने ही वाली है और एक अच्छा बार सेट कर सकती हैं. परम सुंदरी ने पहले ही दिन अपनी कई फिल्मों के रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं. आइए आपको इन फिल्मों के बारे में बताते हैं.सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक परम सुंदरी ने पहले दिन 7.25 करोड़ का कलेक्शन किया है. ये अर्ली डाटा है और ऑफिशियल आने तक थोड़ा बढ़ जाएगा. परम सुंदरी ने जाह्नवी कपूर की रूही (3.06 करोड़) , मिली (40 लाख), मिस्टर एंड मिसेज माही (6.85 करोड़) और उलझ (1 करोड़) का रिकॉर्ड तोड़ दिया है. ऑफिशियल डाटा आने तक फिल्म शायद देवारा पार्ट 1 का भी रिकॉर्ड तोड़ सकती है क्योंकि दोनों में अभी ज्यादा फर्क नहीं है.परम सुंदरी ने सिद्धार्थ मल्होत्रा की भी कई फिल्मों के रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं. परम सुंदरी ने सिद्धार्थ की 8 फिल्मों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है. अब आगे देखना होगा ये फिल्म कितने रिकॉर्ड तोड़ पाती है. बता दें परम सुंदरी को तुषार जलोटा ने डायरेक्ट किया है।

बिना शादी के 3 बच्चे....

अब 44 की उम्र में चौथी बार फिर मां बनने जा रहीं है यह स्टार खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। रूस की मशहूर पूर्व टेनिस स्टार अन्ना कुर्निकोवा एक बार फिर लाइमलाइट में हैं. 44 साल की उम्र में उन्होंने चौथी प्रेग्नेंसी की खबर देकर अपने फैन्स को हैरान कर दिया है. वह और उनके लंबे समय से पार्टनर, मशहूर स्पैनिश सिंगर एनरिके इग्लेसियस (50), अपने चौथे बच्चे का स्वागत करने वाले हैं. कुछ महीने पहले अन्ना को व्हीलचेयर और प्रोटेक्टिव बूट में देखा गया था. उस दौरान उनकी तबीयत को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई गईं, लेकिन अब उनके प्रेग्नेंट होने की पुष्टि के बाद फैन्स को राहत मिली है. स्पैनिश मैगजीन ने दावा किया है कि कुर्निकोवा इस वक्त प्रेग्नेंसी के मिड-फेज में हैं और पूरी तरह स्वस्थ हैं. अन्ना और एनरिके के पहले से ही तीन बच्चे हैं, दो जुड़वां बच्चे लूसी और निकोलस, जो 7 साल के हो गए हैं और छोटी बेटी मैरी, जो 5 साल की है. हाल ही में मियामी में उन्हें बच्चों को मार्शल आर्ट्स क्लास के लिए ले जाते हुए देखा गया था, जिससे यह साफ हुआ कि वह एक सेहतमंद और एक्टिव लाइफ जी रही हैं. अन्ना सिर्फ 14 साल की थी, जब उन्होंने इतनी कम उम्र में प्रोफेशनल टेनिस में कदम रखा था. भले ही सिंगल्स में वह ग्रैंड स्लैम ट्रॉफी नहीं जीत पाई थी, लेकिन मार्टिना हिंगिस के साथ जोड़ी बनाकर उन्होंने 1999 और 2002 में ऑस्ट्रेलियन ओपन डबल्स खिताब अपने नाम किया था.

जर्मनी के वेबर पहले स्थान पर रहे

नीरज ने डायमंड लीग फाइनल में लगातार तीसरा सिल्वर जीता, 85.01 मीटर का थ्रो किया

ज्यूरिख, एजेंसी। नीरज चोपड़ा ने डायमंड लीग फाइनल 2025 में दूसरा स्थान हासिल किया। चोपड़ा का डायमंड लीग में लगातार तीसरा सिल्वर मेडल है। उन्होंने 85.01 मीटर का थ्रो किया। स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख शहर के लेट्जिग्रुंड स्टेडियम में गुरुवार को हुए फाइनल में जर्मनी के जूलियन वेबर ने शानदार 91.51 मीटर का थ्रो कर गोल्ड जीता। वहीं, त्रिनिदाद एंड टोबैगो के केशोर्न वालकॉट ने 84.95 मीटर के साथ ब्रॉन्ज हासिल किया। नीरज ने पहले प्रयास में 84.35 मीटर थ्रो किया। इसके बाद दूसरा थ्रो 82 मीटर रहा। इसके बाद उन्होंने लगातार तीन बार फाउल किया। आखिर में नीरज ने 85.01 मीटर का थ्रो किया और दूसरे नंबर पर रहे। इससे पहले नीरज तीन साल पहले, यानी 2022 में इसी स्टेडियम में डायमंड लीग के फाइनल में पहले स्थान पर रहे थे। वहीं, 2023 और 2024 में उन्हें उपविजेता बनकर ही संतोष करना पड़ा था। मौजूदा सीजन में उन्होंने 7 प्रतियोगिता में हिस्सा लिया, जिनमें 4 बार जीत दर्ज की और तीन बार उपविजेता रहे हैं। मैच के बाद नीरज ने कहा- आज का दिन थो?ा मुश्किल था मैच के बाद नीरज ने अपने प्रदर्शन पर कहा, आज का दिन थोड़ा मुश्किल था। खेल में हमेशा कुछ कठिन दिन आते हैं, और आज ऐसा ही था। फिर भी, मैंने आखिरी थ्रो में 85 मीटर से ज्यादा की दूरी हासिल की। आज मेरा रन-अप और टाइमिंग सही नहीं थी। मुझे कुछ कमी महसूस हुई, लेकिन विश्व चैंपियनशिप के लिए अभी तीन हफ्ते बाकी हैं। मैं अपनी टाइमिंग को बेहतर करने की पूरी कोशिश करूंगा। डायमंड लीग 2025 में नीरज का प्रदर्शन दोहा डायमंड लीग- इस सीजन की बात करें तो नीरज के लिए शुरुआत धमाकेदार अंदाज में हुई थी। मई में उन्होंने दोहा में 90.23 मीटर का थ्रो कर पहली बार 90 मीटर से ज्यादा दूरी का थ्रो किया था। उन्होंने पहले प्रयास में 88.44 मीटर स्कोर किया, जबकि दूसरा थ्रो अमान्य रहा।

4 सितंबर को हो सकता है आखिरी घरेलू मैच

लियोनेल मेसी का संन्यास!

नई दिल्ली, एजेंसी। फुटबॉल के सबसे बड़े स्टार में से एक लियोनल मेसी ने एक बड़ा इशारा दे दिया है कि अर्जेंटीना के साथ उनका सफर आखिर दौर में पहुंच रहा है. 38 साल के मेसी ने बात करते हुए कहा कि 4 सितंबर को ब्यूनस आयर्स में वेनेजुएला के खिलाफ होने वाला वर्ल्ड कप क्वालिफायर शायद उनका आखिरी घरेलू मैच हो सकता है. अर्जेंटीना पहले ही 2026 वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई कर चुका है और 35 अंकों के साथ साउथ अमेरिकन टेबल में टॉप पर है. लेकिन मेसी के लिए ब्यूनर्स आयर्स के एस्टादियो मोन्यूमेंटल में होने वाला यह मैच सिर्फ एक कंपटीशन भर नहीं है, बल्कि यह उनके लिए बड़ा इमोशनल मोमेंट होगा.

मेसी 9 सितंबर को इक्वाडोर के खिलाफ होने वाले अगले क्वालिफायर मैच में भी खेलने की उम्मीद है, लेकिन वह मैच बाहर (अवे) होगा. ऐसे में 4 सितंबर को ब्यूनस आयर्स में होने वाला मुकाबला शायद आखिरी मौका होगा जब स्थानीय फैन्स उन्हें वर्ल्ड कप क्वालिफायर में खेलते देख पाएंगे. अगर यह सचमुच उनका आखिरी मैच होता है, तो यह अर्जेंटीना के फुटबॉल इतिहास का एक अहम अध्याय बंद कर देगा. हालांकि मेसी ने अभी तक इंटरनेशनल फुटबॉल से संन्यास लेने की कोई

कैसा है मेसी का वर्ल्ड कप क्वालिफायर में रिकॉर्ड

मेसी का वर्ल्ड कप क्वालिफायर में 193 मैच खेले हैं और रिकॉर्ड 31 गोल किए हैं. इसी दौरान उन्होंने अर्जेंटीना के लिए कई यादगार प्रदर्शन भी किए. 2022 में कतर वर्ल्ड कप जीतना उनके इंटरनेशनल करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि रही, जिसने उन्हें फुटबॉल इतिहास के महान खिलाड़ियों में हमेशा के लिए जगह दिला दी.

मेसी ने अपने फेयरवेल मैच के बारे में क्या कहा?

मेसी ने इंटर मियामी की लीग्स कप सेमीफाइनल में ऑरलैंडो सिटी को हराने के बाद कहा- यह मेरे लिए खास होने वाला है, बहुत ही खास मैच होगा, क्योंकि यह मेरा आखिरी क्वालिफायर गेम है. मुझे नहीं पता इसके बाद कोई फ्रेंडली या और मैच होंगे या नहीं.... पर हां, यह मैच मेरे लिए बहुत खास है और इसी वजह से मेरा पूरा परिवार मेरे साथ होगा. मेरी पत्नी, मेरे बच्चे, मेरे माता-पिता, मेरे भाई-बहन और मेरी पत्नी की तरफ से जितने रिश्तेदार हो सकें. इसके बाद क्या होगा, यह मैं नहीं जानता, लेकिन अभी हमारा ध्यान इसी पर है.

एशिया कप से पहले बीसीसीआई का फैसला

टीम इंडिया के साथ यूएई नहीं जाएंगे ये 5 खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट 2025 की शुरुआत में अब ज्यादा समय नहीं बचा है. एशिया कप इस बार 9 सितंबर को शुरू होगा, जबकि खिताबी मुकाबला 28 सितंबर को निर्धारित है. संयुक्त अरब अमीरात में होने जा रहे इस टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम का ऐलान पहले ही किया जा चुका है. 15 सदस्यीय भारतीय टीम की कमान सूर्यकुमार यादव को सौंपी गई है, जबकि शुभमन गिल को उप-कप्तान बनाया गया है. भारतीय चयनकर्ताओं ने एशिया कप के लिए यशस्वी जायसवाल, प्रसिद्ध कृष्णा, रियान पराग, वॉशिंगटन सुंदर और ध्रुव जुरेल को स्टैंड बाय खिलाड़ियों के तौर पर रखा है. पहले अटकलें लग रही थीं कि ये पांचों खिलाड़ी भारतीय टीम के साथ यूएई जा सकते हैं, लेकिन अब भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड ने साफ कर दिया है कि स्टैंड बाय के तौर चुने गए खिलाड़ी मुख्य टीम के साथ यात्रा नहीं करेंगे. समाचार एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट में ये बात निकलकर सामने आई है.

जब बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी से पूछा गया कि क्या ये खिलाड़ी नेट बॉलर या बैकअप के तौर पर टीम के साथ जाएंगे, तो उन्होंने पीटीआई से कहा, नहीं, स्टैंडबाय खिलाड़ी मुख्य टीम के साथ दुबई की यात्रा नहीं करेंगे. बता दें कि भारतीय टीम मैनेजमेंट कम खिलाड़ियों के साथ यात्रा करना चाहती है. अगर जरूरत पड़ी तो स्टैंडबाय खिलाड़ियों को बाद में दुबई बुलाया जाएगा. भारतीय टीम के पास पहले से ही शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन जैसे ओपनर मौजूद हैं. इसलिए यशस्वी जायसवाल तभी मुख्य स्क्वॉड में शामिल होंगे, जब कोई सलामी बल्लेबाज चोटिल होगा. इसी तरह जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह या हर्षित राणा में से कोई बाहर होता है, तो ही तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा को मुख्य टीम में शामिल किया जाएगा. एशिया कप के भारतीय टीम 17 खिलाड़ियों की हो सकती थी, लेकिन चयनकर्ताओं ने मुख्य स्क्वॉड में सिर्फ 15 खिलाड़ियों को ही चुना. भारतीय खिलाड़ी इस बार अपने-अपने शहरों से सीधे दुबई जाएंगे.

राजीव शुक्ला बीसीसीआई के कार्यवाहक अध्यक्ष बने, रोजर बिन्नी ने पद छोड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय क्रिकेटर रोजर बिन्नी ने बीसीसीआई अध्यक्ष का पद छोड़ दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, बोर्ड के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला को कार्यवाहक अध्यक्ष बनाया गया है। इससे पहले, 65 साल के शुक्ला बीसीसीआई के वाइस प्रेसिडेंट थे। हाल ही में बीसीसीआई सूत्रों ने बताया था, मौजूदा प्रेसिडेंट रोजर बिन्नी जुलाई महीने में 70 साल के हो जाएंगे। बीसीसीआई के नियम के अनुसार, किसी भी पदाधिकारी को 70 साल की उम्र के बाद अपना पद छोड़ना होगा। बिन्नी ने 2022 में सौरव गांगुली की जगह बोर्ड के अध्यक्ष का पद संभाला था।

Duleep Trophy 2025

दानिश मालेवार ने बनाया ऐतिहासिक रिकॉर्ड, दोहरा शतक ठोक बने नंबर 1

नई दिल्ली, एजेंसी। दलीप ट्रॉफी में सेंट्रल जोन की ओर से खेल रहे टॉप ऑर्डर बल्लेबाज दानिश मालेवार ने कमाल कर दिया है. दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने नॉर्थ ईस्ट जोन के खिलाफ 203 रनों की पारी खेली. दानिश ने अपनी पारी में 36 चौके और एक छक्का लगाया. उनकी इस पारी के दम पर सेंट्रल जोन ने पहली पारी में 532 रन बनाए. कप्तान रजत पाटीदार ने इस स्कोर पर पारी घोषित की. दानिश मालेवर ने अपने इस दोहरे शतक से वो कारनामा कर दिखाया जो कभी किसी विदर्भ के खिलाड़ी ने नहीं किया था. दानिश मालेवार ने जैसे ही दलीप ट्रॉफी में दोहरा शतक लगाया वैसे ही उनका नाम विदर्भ क्रिकेट में अमर हो गया. दरअसल दानिश विदर्भ के पहले खिलाड़ी हैं जिन्होंने दलीप ट्रॉफी में डेब्यू मैच में ही दोहरा शतक लगा दिया है. अबतक सिर्फ चार बल्लेबाजों ने दलीप ट्रॉफी में दोहरा शतक ठोका है जिसमें यशस्वी जायसवाल, बाबा अपराजित, बाबा इंद्रजीत शामिल हैं. अब इसमें दानिश का नाम भी शामिल हो गया है.

दानिश मालेवार का कमाल करियर

दानिश मालेवार महज 21 साल के हैं और इस खिलाड़ी ने रणजी ट्रॉफी के पिछले सीजन से ही फर्स्ट क्लास में डेब्यू किया. दानिश ने पहले ही रणजी सीजन में 9 मैचों में 2 शतक और 6 अर्धशतक के दम पर 783 रन ठोके. अब उनके बल्ले से दोहरा शतक भी निकल गया है जो कि उनके प्रोफेशनल करियर का पहला दोहरा शतक है. दानिश मालेवार की बैटिंग एवरेज 50 पार है. दानिश मालेवार ने रणजी ट्रॉफी फाइनल में भी शतक लगाया था. विदर्भ प्रो लीग में भी दानिश ने कमाल बैटिंग की थी. इसमें उन्होंने 160 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 6 मैचों में 318 रन ठोके थे. वो इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी बने थे. दानिश के इसी प्रदर्शन की वजह से उन्हें लंबी रेस का घोड़ा बताया जा रहा है.

हीरो एशिया कप 2025 की धमाकेदार शुरुआत, मलयेशिया ने बांग्लादेश को 4-1 से हराया

एशिया कप हॉकी:

राजगीर, एजेंसी। पूरे मैच में बांग्लादेश को कई मौके मिले लेकिन मलयेशियाई डिफेंस और गोलकीपर ने उन्हें नाकाम कर दिया। अंततः मुकाबला 4-1 के स्कोर के साथ मलयेशिया के नाम रहा।

राजगीर के अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में शुक्रवार को हीरो एशिया कप 2025 की शुरुआत हुई। पहले मुकाबले में मलयेशिया ने बांग्लादेश को 4-1 से शिकस्त दी। मैच सुबह नौ बजे शुरू हुआ और पहले क्वार्टर में दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। चौथे मिनट में बांग्लादेश को पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन उसे गोल में तब्दील नहीं किया जा सका। दूसरे क्वार्टर के 16वें मिनट में बांग्लादेश के इस्लाम अशरफुल ने शानदार गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। हालांकि, 23वें मिनट में मलयेशिया के हामसानी अशरन ने गोल कर स्कोर बराबर कर दिया। हाफ टाइम तक मुकाबला 1-1 की बराबरी पर रहा।

तीसरे क्वार्टर के 35वें मिनट में मलयेशिया के अनुअर अकीमुल्लाह ने गोल दागकर टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद 45वें मिनट पर अबुदु राउफ मुजाहिर ने तीसरा गोल कर बढ़त को और मजबूत किया। चौथे क्वार्टर में बांग्लादेश ने लगातार पेनल्टी कॉर्नर के मौके बनाए, लेकिन उन्हें गोल में तब्दील नहीं कर सका। इसी बीच मलयेशिया के चोलन सैयद ने अंतिम क्वार्टर में चौथा गोल दागकर जीत पक्की कर दी। पूरे मैच में बांग्लादेश को कई मौके मिले लेकिन मलयेशियाई डिफेंस और गोलकीपर ने उन्हें नाकाम कर दिया। अंततः मुकाबला 4-1 के स्कोर के साथ मलयेशिया के नाम रहा।

Hulk Hogan के मौत पर हुआ चौंकाने वाला खुलासा, पत्नी ने इन पर लगाया इल्जाम

नई दिल्ली, एजेंसी। के दिग्गज हल्क होगन का 24 जुलाई को 71 वर्ष की आयु में निधन हो गया। शुरुआती रिपोर्टों में उनकी मौत का कारण दिल का दौरा बताया गया था, लेकिन अब उनकी पत्नी स्काई डेली ने मेडिकल लापरवाही का आरोप लगाते हुए एक चौंकाने वाला दावा किया है। जिसके बाद पूरी रेसलिंग दुनिया को सदमा सा लग गया है। हर कोई इस खुलासे के बाद हैरान है।

एक रिपोर्ट के अनुसार स्काई का मानना है कि मई में हुई होगन की गर्दन की सर्जरी के दौरान उनकी फ्रेनिक नर्व, जो सांस लेने की प्रक्रिया को नियंत्रित करती है, उसको नुकसान पहुंचा था। स्काई ने एक निजी ऑटोप्सी भी करवाई है, जिससे उनके इन दावों को बल मिलता है।

फ्रेनिक नर्व को नुकसान: स्काई डेली के अनुसार, सर्जरी के बाद होगन को सांस लेने में दिक्कत होने लगी थी। 911 कॉल के दौरान भी स्काई ने कहा था कि मेरे पति सांस नहीं ले रहे हैं।

सूत्रों का दावा है कि 911 कॉल से यह संकेत मिलता है कि होगन की मौत अचानक दिल का दौरा पड़ने से नहीं, बल्कि सांस रुकने की वजह से हुई थी। होगन के थेरेपिस्ट ने भी इसी तरह के दावे किए हैं, जिसमें कहा गया है कि सर्जरी के दौरान फ्रेनिक नर्व कट गई थी।

यूएस ओपन 2025: कोको गॉफ ने यूएस ओपन के तीसरे राउंड में मारी एंट्री

न्यूयॉर्क, एजेंसी। कोको गॉफ ने अपनी प्रतिद्वंद्वी डोना वेकिच को हराकर यूएस ओपन 2025 के तीसरे दौर में प्रवेश कर लिया है। उन्होंने मुकाबले को 7-6, 6-2 से अपने नाम किया। इस जीत के साथ गॉफ लगातार चौथे साल यूएस ओपन के तीसरे दौर में पहुंची हैं। इसके साथ ही, वह अब न्यूयॉर्क में अपने मुख्य ड्रॉ के 79 प्रतिशत मैच जीत चुकी हैं। 2023 की चैंपियन का अगला मुकाबला 28वीं वरीयता प्राप्त मैग्डेलेना फ्रेच से होगा। इससे पहले, विश्व की दूसरे नंबर की खिलाड़ी इगा स्वियाटेक ने शुरुआती मुकाबलों में

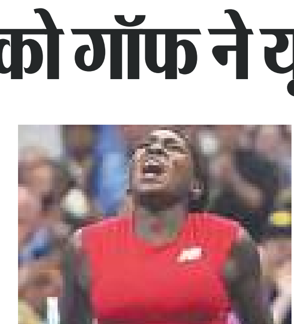

दबदबा बनाए रखा। उन्होंने विश्व की 66वें नंबर की खिलाड़ी सुजैन लामेंस का सामना करते हुए 6-1, 4-6, 6-4 से जीत दर्ज करके तीसरे दौर में प्रवेश किया। स्वियाटेक ने शुरुआती सेट में लामेंस के खिलाफ दबदबा बनाया और 6-1 से जीत हासिल की, लेकिन लामेंस ने वापसी करते हुए दूसरा सेट जीत लिया। हालांकि बाद में स्वियाटेक ने तीसरा सेट 6-4 से जीत लिया। स्वियाटेक दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी हैं। 2012 में सेरेना विलियम्स के बाद, वह एक ही कैलेंडर वर्ष में विंबलडन और यूएस ओपन एकल जीतने वाली पहली महिला बन सकती हैं। वह अब तीसरे राउंड में 29वीं वरीयता प्राप्त अन्ना कालिंस्काया से भिड़ेंगी, जिन्हें उन्होंने सिनसिनाटी में डब्ल्यूटीए 1000 खिताब जीतने के दौरान महज 13 दिन पहले सीधे सेटों में हराया था।

दैनिक प्रभात परिक्रमा

भोपाल, रविवार 31 अगस्त 2025

संक्षिप्त खबरें

कालकाजी मंदिर में सेवादार की पीट-पीटकर हत्या, चुनरी-प्रसाद को लेकर हुआ था विवाद

नई दिल्ली : कालकाजी मंदिर में पीट-पीटकर हत्या का मामला सामने आया है। यहां दर्शन के लिए आए लोगों ने एक सेवादार की लाठियों और घूंसों से हमला कर हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि चुनरी प्रसाद को लेकर उनके बीच बहस हुई थी। एक आरोपी को स्थानीय लोगों ने घटनास्थल पर ही पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। बाकि आरोपियों को पकड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं।पुलिस के मुताबिक, कालकाजी मंदिर में झगड़े के संबंध में कल रात 11:30 बजे सूचना मिली। स्थानीय पुलिस की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पूछताछ में पता चला कि आरोपी दर्शन के लिए कालकाजी मंदिर आए थे। दर्शन के बाद उन्होंने पीड़ित से चुनरी प्रसाद की मांग की और उनके बीच बहस शुरू हो गई। इसी दौरान आरोपियों ने पीड़ित पर लाठियों और घूंसों से हमला कर दिया। पीड़ित को तुरंत एम्स ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान यूपी के हरदोई निवासी योगेन्द्र सिंह (35) के रूप में हुई है। वह पिछले 14-15 साल से कालकाजी मंदिर में सेवादार था। दक्षिणपुरी निवासी 30 वर्षीय अतुल पांडे नामक एक आरोपी को स्थानीय लोगों ने घटनास्थल पर ही पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस जांच में जुटी है। बाकि आरोपियों की पहचान की जा रही है और उन्हें पकड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं।

छत पर करंट की चपेट में आया दंपती, हालत गंभीर

फरीदाबाद। कपड़े सुखाते समय छत पर करंट की चपेट में आकर एक दंपती बुरी तरह झुलस गया। घटना शुक्रवार दोपहर की है, जब एनआइटी कपड़ा कॉलोनी निवासी ज्योति और उनके पति कृष्णा छत पर कपड़े सुखा रहे थे। हादसे के बाद दोनों को नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से गंभीर हालत के चलते उन्हें दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल रेफर कर दिया गया। परिजनों के अनुसार, कपड़े सुखाते समय एक साड़ी पास लगे शेड पर गिर गई थी। ज्योति ने एल्यूमीनियम के पाइप की मदद से साड़ी उठाने की कोशिश की, इसी दौरान पाइप हाई वोल्टेज बिजली लाइन के संपर्क में आ गया। करंट लगते ही ज्योति बुरी तरह झुलस गईं। उन्हें बचाने के प्रयास में उनके पति कृष्णा ने भी पाइप को हटाने की कोशिश की, जिससे वे भी करंट की चपेट में आ गए। दोनों को तत्काल जिला नागरिक अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें सफदरजंग अस्पताल के लिए रेफर कर दिया।

युवक ने चाचा पर कैंची से किया हमला

फरीदाबाद। सारन थाना इलाके में एक युवक ने मामूली कहासुनी के बाद अपने चाचा पर कैंची से जानलेवा हमला कर दिया। कहासुनी युवक के सैलून के बाहर चाचा के ऑटो खड़ा करने को लेकर हुई। गंभीर रूप से घायल महेश चंद को इलाज के लिए बीके अस्पताल ले जाया गया। यहां से उसे दिल्ली रेफर कर दिया गया। पुलिस प्रवक्ता यशपाल सिंह ने बताया कि सारन थाना पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सारन थाना इलाके के सोनिया चौक पर यह वारदात बृहस्पतिवार को हुई। संजय एन्क्लेव निवासी महेश चंद ने बताया कि बृहस्पतिवार को सोनिया चौक पर जाम लगा था। इसके चलते उन्होंने अपना ऑटो भतीजे मुकेश के सैलून के बाहर खड़ा कर दिया। ऑटो खड़ा करते ही मुकेश ने गाली देना शुरू कर दिया।

15 साल बाद सबसे अधिक वर्षा वाला महीना बना अगस्त, अब तक 22 दिन हुई बरसात

दिल्ली : दिल्ली में मानसून एक्सप्रेस ने रफ्तार पकड़ी हुई है। इस कारण अगस्त 15 साल बाद सबसे अधिक वर्षा वाला महीना बन गया है। इस साल अगस्त में अब तक 400.5 मिमी बारिश दर्ज हो चुकी है। इससे पहले वर्ष 2010 में 455.8 मिमी बारिश हुई थी।

दिल्ली में मानसून की सक्रियता के कारण अगस्त के महीने में अब तक 22 दिन बरसात हो चुकी है। 28 अगस्त तक बारिश का आंकड़ा 336.8 मिमी था, शुक्रवार को सफदरजंग मानक केंद्र पर शाम साढ़े पांच बजे तक 63.7 मिमी बारिश दर्ज की गई। इस कारण बारिश का आंकड़ा 400.5 मिमी तक पहुंच गया था।

चूंकि अगस्त का महीना खत्म होने में दो दिन बाकी है और अभी बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है। बारिश का ऑल टाइम रिकॉर्ड वर्ष 1961 का है जब अगस्त में 583.3 मिमी बारिश दर्ज की गई थी। शुक्रवार को कई इलाकों में सुबह बारिश ने गुड मार्निंग की। कई इलाकों में झमाझम बारिश हुई। थोड़ी देर बाद ऑफिस जाने का समय होने के कारण कई इलाकों में लोग जलभराव में फंस गए। कई इलाकों में जलभराव की स्थिति रही।

शुक्रवार को सबसे अधिक 63.7 मिमी बारिश सफदरजंग मानक केंद्र पर रिकॉर्ड की गई। सुबह 11.30 बजे तक यहां 56.2 मिमी व दोपहर 2:30 बजे तक 007.2 मिमी व शाम साढ़े पांच बजे तक 000.3 मिमी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार अभी मानसून सक्रिय है इस कारण चार सितंबर तक बारिश का यह दौर जारी रहेगा।

डूबी दिल्ली, भाजपा के चारों इंजन फेल: आप

आप ने शुक्रवार को भाजपा सरकार को घेरा। प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज ने कहा कि कुछ देर की बारिश ने भाजपा सरकार की तैयारियों की पोल खोलकर रखकर दी।

जगह-जगह जलभराव से दिल्लीवासी परेशान हैं और भाजपा की चार इंजन सरकार बेबस नजर आ रही है।

अगर दिल्ली का यही हाल रखना है तो भाजपा अपने चारों इंजन कबाड़ी को बेचकर चार नाव खरीद ले। कम से कम दिल्लीवाले तो बारिश में सफर कर पाएंगे। उन्होंने पटपड़गंज, संगम विहार, लक्ष्मी नगर, एम्स, गीता कॉलोनी, संजय झील, साउथ दिल्ली और एमबी रोड पर हुए जलभराव की तस्वीरें और वीडियो साझा करते हुए कहा कि भाजपा अब झूठे दावे भी करना बंद कर चुकी है और सिर्फ मौसम के गुजरने का इंतजार कर रही है। मनीष सिसोदिया पटपड़गंज में सिर्फ स्कूल और दो-तीन स्विमिंग पूल बनवा पाए लेकिन भाजपा ने तो पूरे हाईवे को ही स्विमिंग पूल बना दिया।

> दिल्ली में मानसून की सक्रियता के कारण अगस्त के महीने में अब तक 22 दिन बरसात हो चुकी है। 28 अगस्त तक बारिश का आंकड़ा 336.8 मिमी था, शुक्रवार को सफदरजंग मानक केंद्र पर शाम साढ़े पांच बजे तक 63.7 मिमी बारिश दर्ज की गई। इस कारण बारिश का आंकड़ा 400.5 मिमी तक पहुंच गया था।

लावारिस कुत्तों की नसबंदी करने वाला अभियान होगा तेज, शेल्टर होम के लिए आज किया जाएगा जमीन का सर्वे

दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मद्देनजर एमसीडी ने राजधानी में लावारिस कुत्तों से लोगों को राहत दिलाने के लिए कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। इसी कड़ी में स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने कुत्तों के नसबंदी अभियान और शेल्टर होम निर्माण की कमान अपने हाथों में ले ली है। वे शनिवार को एमसीडी के पांच नसबंदी केंद्रों का निरीक्षण करेंगी और उनकी कार्यप्रणाली की समीक्षा करेंगी। साथ ही, खतरनाक कुत्तों के लिए शेल्टर होम की स्थापना के लिए विभिन्न इलाकों में जमीन का सर्वे करेंगी।

एमसीडी के पास फिलहाल 20 नसबंदी केंद्र हैं लेकिन इनमें से केवल 13 ही वर्तमान में सक्रिय हैं। इन केंद्रों की कार्यक्षमता और उनकी वास्तविक स्थिति का आकलन करने के लिए स्थायी समिति अध्यक्ष सत्या शर्मा ने स्वयं दौरा करने का निर्णय लिया है।

दरअसल, सीमित संसाधनों और क्षमता के कारण नसबंदी का काम गति से नहीं हो पा रहा है जिससे कुत्तों की आबादी लगातार बढ़ रही है। दिल्लीवासियों की शिकायतें भी बढ़ रही हैं। बच्चों और बुजुर्गों पर हमले से लेकर कॉलोनियों में झुंड बनाकर घूमने वाले लावारिस कुत्तों की घटनाओं ने चिंता बढ़ा दी है।

एमसीडी के पास लावारिस और खतरनाक कुत्तों को रखने के लिए कोई स्थायी शेल्टर होम नहीं है। ऐसे में कोर्ट के आदेश के बाद पहली बार एमसीडी शेल्टर होम बनाने जा रही है। फिलहाल, पकड़े गए कुत्तों को अस्थायी व्यवस्थाओं में रखा जाता है लेकिन वहां देखभाल और नियंत्रण दोनों ही स्तर पर दिक्कतें आती रही हैं। कोर्ट के आदेश के तहत बनने वाले शेल्टर होम न केवल खतरनाक कुत्तों को सुरक्षित रखने का स्थान होंगे बल्कि वहां उनके लिए बेहतर देखभाल, इलाज और पुनर्वास की भी व्यवस्था की जाएगी। इससे एक ओर नागरिकों को राहत मिलेगी।

उप समिति पहले ही कर रही है कार्य

स्थायी समिति ने कुत्तों की बढ़ती समस्या पर काबू पाने के लिए पहले ही उप समिति गठित कर रखी है। यह समिति स्थिति का अध्ययन कर सिफारिशें दे रही है ताकि लावारिस कुत्तों के प्रबंधन की नीति को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। सुप्रीम कोर्ट के आदेशों को ध्यान में रखते हुए अब एमसीडी ने इस दिशा में ठोस और व्यापक रणनीति पर काम शुरू कर दिया है।

लापरवाही मिलने पर सख्त कार्रवाई होगी

सत्या शर्मा ने स्पष्ट किया है कि नसबंदी केंद्रों के दौरे के दौरान डॉक्टरों और स्टाफ की उपलब्धता, दवाओं और उपकरणों की स्थिति और प्रतिदिन हो रहे ऑपरेशनों की संख्या की बारीकी से जांच की जाएगी। किसी भी स्तर पर लापरवाही मिलने पर जिम्मेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि लक्ष्य सिर्फ आदेशों का पालन करना नहीं है बल्कि दिल्ली की जनता को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना भी है।

सोमवार से महंगी होंगी टोल दरें, 5 हजार यात्री होंगे प्रभावित

फरीदाबाद। सोमवार से टोल की नई दरें लागू होंगी। दरें बढ़ने से सराय टोल प्लाजा से होकर गुजरने वाले करीब 5 हजार वाहन चालकों का सफर महंगा हो जाएगा। इनमें घरेलू कार और जीप वाहनों को एक यात्रा पर कोई शुल्क नहीं देना होगा। इससे अधिक यात्रा पर 1 रुपये अतिरिक्त शुल्क देना होगा। वहीं, हल्के और भारी दोनों तरह के व्यावसायिक वाहनों को एक और एकाधिक दोनों ही यात्राओं पर अधिक शुल्क देना होगा। 3000 वाला पास लेने वाले वाहन चालकों पर इसका कोई असर नहीं पड़ेगा।

नौकरी दिलाने के बहाने दंपती को अपने घर में किरायेदार रखा, महिला से किया दुष्कर्म

फरीदाबाद। मुजेसर थाना इलाके में एक व्यक्ति ने दंपती को नौकरी दिलाने का झांसा देकर अपने मकान में किरायेदार रख लिया। बाद में आरोपी ने किरायेदार महिला को नशीला पदार्थ पिलाकर दुष्कर्म किया। महिला ने मामले में शिकायत पुलिस को दी। पुलिस प्रवक्ता यशपाल सिंह ने बताया कि मुजेसर थाने में दुष्कर्म की एफआईआर दर्ज कर ली गई है। टीम आरोपी की तलाश कर रही है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

संजय कॉलोनी इलाके में ये मामला सामने आया है।

मरीज के पेट में कपड़ा छोड़ने का आरोप

गाजियाबाद। नेहरूनगर क्षेत्र के राकेश मार्ग स्थित गुलमोहर एनक्लेव सोसायटी में रहने वाले चिराग कटारिया ने महिला चिकित्सक और ओटी टेक्नीशियन स्टॉफ के खिलाफ सिहानी गेट थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। आरोप है कि सिजेरियन डिलीवरी के दौरान जल्दबाजी और लापरवाही के चलते ओटी टेक्नीशियन स्टॉफ ने उनकी पत्नी के पेट में विदेशी वस्तु (एमओपी कपड़ा) छोड़ दिया। इससे उनकी पत्नी की हालत खराब हो गई। सिहानी गेट पुलिस ने लापरवाही बरतने वाली ओटी टेक्नीशियन स्टॉफ के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। एसीपी नंदग्राम पूनम मिश्रा ने बताया कि चिराग कटारिया के अनुसार उन्होंने एक मेडिकल सेंटर में अपनी पत्नी को सिजेरियन डिलीवरी के लिए भर्ती कराया। डिलीवरी के बाद उनकी पत्नी को आठ जून 2025 को डिस्चार्ज कर दिया गया। जिसके बाद से उनकी पत्नी की हालत बिगड़ने लगी और बुखार व शरीर में दर्द रहने लगा। चिराग कटारिया डिलीवरी करने वाली महिला चिकित्सक के पास बीमार पत्नी को लेकर पहुंचे। आरोप है कि डायग्नोस्टिक में एक अल्ट्रासाउंड और सीटी-स्कैन कराया गया। डायग्नोस्टिक के पर्चे पर महिला चिकित्सक ने अपना नाम और फोन नंबर भी लिख दिया था। जो गलत है। आरोप है कि तमाम जांच होने के बाद उनका उपचार किया गया लेकिन स्वास्थ्य दिन-ब-दिन गिरता गया। हालत गंभीर होने पर उन्होंने बीमार पत्नी का मैक्स अस्पताल में उपचार कराया। जांच रिपोर्ट के बाद पता चला कि उनकी पत्नी के पेट में विदेशी वस्तु (एमओपी कपड़ा) है और उसकी गांठ बन चुकी है। मैक्स अस्पताल में बीमार पत्नी का उपचार कराया। एसीपी ने बताया कि पीड़ित चिराग कटारिया की तहरीर पर मेडिकल सेंटर के ओटी टेक्नीशियन स्टॉफ के खिलाफ बीएनएस के अंतर्गत जल्दबाजी और लापरवाही से किसी की जान खतरे में डालने की धारा 125 में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

प्लॉट बेचने के नाम पर 4.50 लाख रुपये ठगे

मसूरी। थाना क्षेत्र के गांव कुशलिया निवासी फुरकान ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाए हैं कि उसने 17 फरवरी 2024 को खुर्शीद पुत्र मेहंदी हसन निवासी श्रीराम कॉलोनी खजूरी खास दिल्ली से एक प्लॉट 200 वर्ग गज का गांव निगरावठी में खरीदा था। इसके उसने खुर्शीद को नकद व ऑनलाइन व आरटीजीएस के माध्यम से उसकी पत्नी के खाते में 4.50 लाख रुपये दिये थे। लेकिन आज तक खुर्शीद ने न तो प्लॉट ही दिया और न ही उसके दिए साढ़े चार लाख रुपये लौटाए। पीड़ित ने बताया कि इस संबंध में उसने पुलिस को 24 जून को भी एक प्रार्थनापत्र दिया था लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। फुरकान अली ने पुलिस को तहरीर देकर खुर्शीद के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कठोर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। सहायक पुलिस आयुक्त मसूरी लिपी नगायच ने बताया कि आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है, जांच-पड़ताल कर कार्रवाई की जाएगी।

जीडीए ने अवैध प्लाटिंग के लिए बनाई जा रही सड़क का काम रोका

गाजियाबाद। प्रवर्तन जोन चार में ओल्ड आर्यनगर की पुरानी फैक्टरी में अवैध प्लॉटिंग के लिए बनाई जा रही सड़क का काम जीडीए ने रोक दिया है। निर्माण न करने के नोटिस के बाद भी विकासकर्ता की ओर से काम कराए जाने पर शुक्रवार को जीडीए की टीम ने सीलिंग की कार्रवाई की है। जीडीए सचिव राजेश कुमार सिंह ने बताया कि भूस्वामी विरेन्द्र राज सिंघवी, विकासकर्ता बृज किशोर गोयल खसरा संख्या-87, 88, 92, 93, 94, 95, 104 व 105 पर स्मिता कंडक्टर्स फैक्टरी ओल्ड आर्यनगर नाम की पुरानी फैक्टरी के निर्माण को तोड़कर खाली हुई लगभग 28000 वर्गगज भूमि पर अवैध प्लाटिंग के लिए कच्ची सड़क बनवा रहे थे। कार्यस्थल पर पुरानी टूटी बिल्डिंग का मलबा, ट्रैक्टर-ट्रॉली से बाहर ले जाया जा रहा था। जेसीबी से शेष बिल्डिंग तोड़ी जा रही थी, जिसकी स्थल पर कोई स्वीकृति नहीं दिखाई गई। इस पर तत्कालीन अवर अभियंता की प्रथम सूचना रिपोर्ट के क्रम में मुकदमा दर्ज कराकर कारण बताओ नोटिस और कार्य रोको नोटिस 20 अगस्त को भेजा था।

जालसाजों ने छह लोगों से ठग लिए 19.55 लाख रुपये

फरीदाबाद। साइबर ठगों ने स्मार्ट सिटी के अलग-अलग इलाकों में रहने वाले छह लोगों से 19.55 लाख रुपये ठग लिए। आरोपियों ने लकड़ी खरीदने के बहाने, टेलीग्राम पर प्रीपेड टास्क, शेयर बाजार में निवेश पर मुनाफे का झांसा देकर ये ठगी की। पुलिस प्रवक्ता यशपाल सिंह ने बताया कि साइबर क्राइम थाना एनआईटी में तीन, सेंट्रल में एक व बल्लभगढ़ में दो एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस टीम अब मामलों में जांच कर आरोपियों का पता लगा रही है।

पहले मामले में साइबर क्राइम थाना एनआईटी पुलिस को शिकायत सेक्टर-23 निवासी युवक सोनू ने दी है। इनका कहना है कि छह अगस्त को इनसे संपर्क कर ठगों ने लकड़ी खरीदने के नाम पर 64 हजार रुपये ठग लिए। मामले में पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। दूसरे मामले में पुलिस को शिकायत सूरजकुंड के दयाल बाग कॉलोनी निवासी सूबेदार मस्सवीर आलम ने दी है। इनका कहना है कि 24 अगस्त को इनके बैंक खाते से 3.34 लाख रुपये कट गए। ये रुपये कैसे कटे, इसकी जानकारी इन्हें नहीं है। मामले में साइबर क्राइम थाना एनआईटी पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है।

> पहले मामले में साइबर क्राइम थाना एनआईटी पुलिस को शिकायत सेक्टर-23 निवासी युवक सोनू ने दी है। इनका कहना है कि छह अगस्त को इनसे संपर्क कर ठगों ने लकड़ी खरीदने के नाम पर 64 हजार रुपये ठग लिए। मामले में पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है।

तीसरे मामले में साइबर क्राइम थाना एनआईटी पुलिस को शिकायत एनआईटी इलाके के रहने वाले यश चावला ने दी है। इनका कहना है कि 28 व 29 जुलाई को साइबर ठगों ने टेलीग्राम पर टास्क पूरा करने के बहाने संपर्क किया। आरोपी ने प्रीपेड टास्क में निवेश पर मुनाफा दिलाने का झांसा देकर 671500 रुपये ठग लिए। मामले में पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है।

चौथे मामले में साइबर क्राइम थाना सेंट्रल पुलिस को शिकायत सेक्टर-86 निवासी डॉ. मोहम्मद अनस खान ने दी है। इनका कहना है कि 17 से 28 जून के दौरान आरोपियों ने शेयर बाजार में निवेश पर मुनाफे का झांसा देकर 3.86 लाख रुपये ट्रांसफर करा लिए। बाद में इन्हें न तो मुनाफा मिला और न ही निवेश की गई रकम ही वापस मिली। पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज की है। पांचवें मामले में पुलिस को शिकायत बल्लभगढ़ की तिरखा कॉलोनी निवासी अनिल कुमार ने दी है। आरोप है कि 12 से 25 जुलाई के दौरान साइबर ठगों ने टेलीग्राम पर प्रीपेड टास्क में मुनाफे का झांसा देकर 2.81 लाख रुपये ठग लिए। साइबर क्राइम थाना बल्लभगढ़ पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज की है।

छठे मामले में साइबर क्राइम थाना बल्लभगढ़ पुलिस को शिकायत आर्य नगर निवासी देवेंद्र ने दी है। युवक का कहना है कि तीन से 14 जुलाई के दौरान साइबर ठगों ने टेलीग्राम पर प्रीपेड टास्क के बहाने 219100 रुपये ठग लिए। शिकायत पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है।

दहेज के लिए गला दबाकर महिला की हत्या का आरोप

फरीदाबाद। खेड़ीपुल थाना इलाके की न्यू भारत कॉलोनी में बृहस्पतिवार रात एक महिला की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। मृतका 32 साल की सपना एनआईटी पांच गांधी कॉलोनी की रहने वाली थी। आरोप है कि दहेज के लिए पति ने चुन्नी से गला दबाकर महिला की हत्या की है। खेड़ीपुल थाना पुलिस ने दहेज हत्या का केस दर्ज कर जांच शुरू की है। मृतका के पिता कृष्ण कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया गया पांच साल पहले अजय से बेटी की शादी की थी। दोनों की तीन साल की बच्ची भी है। अजय सैलून चलाता है और परिवार न्यू भारत कॉलोनी में किराये के मकान में रहता है। पुलिस अब आरोपी पति की तलाश कर रही है।

कार का शीशा तोड़कर लैपटॉप चोरी

फरीदाबाद। सराय ख्वाजा थाना इलाके में पल्ला सब्जी मंडी के पास कार का शीशा तोड़कर लैपटॉप व अन्य सामान चोरी कर लिया गया। अशोक एन्क्लेव निवासी अभिषेक ने पुलिस को शिकायत दी है कि वो सब्जी खरीदने मंडी गए थे। वापस लौटे तो कार का शीशा टूटा हुआ था और अंदर से लैपटॉप बैग गायब था। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की है। ब्यूरो

कार की टक्कर से बाइक सवार घायल

फरीदाबाद। सेक्टर-58 थाना इलाके में दिल्ली-आगरा नेशनल हाईवे पर बल्लभगढ़ में कार की टक्कर से बाइक सवार व्यक्ति घायल हो गया। घायल हेम कुमार समयपुर गांव के रहने वाले हैं। ये हादसा 24 अगस्त को हुआ। घायल को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। घायल के भाई रोहतास के बयान पर सेक्टर-58 थाना पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज की गई। ब्यूरो

युवक से मारपीट के आरोप में एफआईआर दर्ज

फरीदाबाद। सेंट्रल थाना इलाके में डीएनडी-केएमपी एक्सप्रेसवे के सर्विस रोड पर नोएडा के निठारी से आए एक युवक के साथ कुछ लोगों ने मारपीट कर दी। पीड़ित नोएडा के निठारी निवासी करन अवाना ने पुलिस को बताया कि वे बृहस्पतिवार शाम किसी काम से फरीदाबाद आए थे। इस दौरान एक्सप्रेसवे की सर्विस रोड पर बीपीटीपी चौराहे के पास कुछ लोगों ने उनपर हमला कर दिया और मारपीट की। इसमें उन्हें काफी चोट आई।

स्कूटी से टक्कर लगने पर दबंगों ने कार चालक को ईंट से पीटा

लोनी। स्कूटी से टक्कर होने पर दबंगों ने शहीद नगर के कल्लन चौक के पास कार चालक के साथ मारपीट की। दबंगों ने लाठी-डंडों व ईंट से कई बार वार किए। मारपीट में कार चालक घायल हो गए। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसरार खान ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनका बेटा फरहान अपनी गाड़ी से काम पर जा रहा था। जैसी ही वह कल्याण चौक पर पहुंचा तभी मोड़ पर खड़ी स्कूटी से उसकी गाड़ी टकरा गई। तभी वहां दबंग आ गए और बेटे पर लाठी-डंडों और ईंट पत्थर से हमला कर दिया। हमले में उनका बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया।

दर्शकों के लिए बंद किया गया दिल्ली का चिड़ियाघर, दो पक्षियों की मौत के बाद लिया गया फैसला

नई दिल्ली : चिड़ियाघर में एवियन इन्फ्लूएंजा (बर्ड फ्लू) की पुष्टि हुई है। ऐसे में चिड़ियाघर को दर्शकों के लिए अस्थाई रूप से बंद कर दिया गया है। यह कदम पेंटेड स्टॉर्क और ब्लैक-नेक्ड आइबिस की मौत के बाद लिया गया। जिनके नमूनों में गुरुवार रात भोपाल स्थित राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान की जांच में बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई। मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी एवियन इन्फ्लूएंजा की तैयारी, नियंत्रण और रोकथाम के लिए कार्य योजना के प्राणी उद्यान के लिए दिशा-निर्देशों के अनुसार तत्काल कार्रवाई शुरू कर दी गई है। मृत सारस के दो नमूनों को एवियन इन्फ्लूएंजा की जांच के लिए राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान भोपाल भेजे गए थे। इसके बाद दोनों नमूनों के लिए एवियन इन्फ्लूएंजा वायरस के लिए सकारात्मक परिणाम की सूचना दी गई है। दो पक्षी के एचएन1 बर्ड फ्लू वायरस से संक्रमित पाए जाने के बाद दिल्ली के चिड़ियाघर को शनिवार से पर्यटकों के लिए बंद कर दिया गया है। दोनों मृत पक्षियों के नमूने 27 अगस्त को भोपाल स्थित राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान भेजे गए है।

> मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी एवियन इन्फ्लूएंजा की तैयारी, नियंत्रण और रोकथाम के लिए कार्य योजना के प्राणी उद्यान के लिए दिशा-निर्देशों के अनुसार तत्काल कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

28 अगस्त को जांच में उनमें एच5एन1 वायरस की पुष्टि हुई। अधिकारियों ने बताया कि चिड़ियाघर को बंद करना जन स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए ऐतिहासिक कदम है और अगली सूचना तक ये लागू रहेगा।

अधिकारियों ने बताया कि चिड़ियाघर को बंद करना जन स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए ऐतिहासिक कदम है और अगली सूचना तक ये लागू रहेगा। दो पक्षी के एच5एन1 बर्ड फ्लू वायरस से संक्रमित पाए जाने के बाद दिल्ली के चिड़ियाघर को शनिवार से पर्यटकों के लिए बंद कर दिया गया है। दोनों मृत पक्षियों के नमूने 27 अगस्त को भोपाल स्थित राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान भेजे गए है। 28 अगस्त को जांच में उनमें एच5एन1 वायरस की पुष्टि हुई। अधिकारियों ने बताया कि चिड़ियाघर को बंद करना जन स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए ऐतिहासिक कदम है और अगली सूचना तक ये लागू रहेगा।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक और प्रकाशक शरद पाराशर द्वारा साईं प्रिंटर्स म.नं. 19 शॉप नं. 3 जिंसी पुलिस चौकी के पास जहांगीराबाद, भोपाल म.प्र.से मुद्रित करवाकर ए-52 कस्तूरबा नगर भोपाल से प्रकाशित।
संपादक- शरद पाराशर मो.9425023929, समाचार सम्पादक :-सेजल दीक्षित (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)